वर्ष- 17 अंक-13 प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित अनूपपुर, 20-26 मार्च 2025 e paperwww.fatwasamachar.com मूल्य - 2.00 पृष्ठ-8

एजेंसी देना है
एजेंसी लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मो. 9893798715

पंजीकरण :SDL-0019/2023-2025
RNI.No.MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ का लोकप्रिय समाचार पत्र
आपका विश्वास

सुनीता विलियम्स 9 महीने बाद अंतरिक्ष से रवाना

आज सुबह 3:27 बजे समुद्र में लैंडिंग

फ्लोरिडा,एजेंसी। अंतरिक्ष में फंसे एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 13 दिन बाद पृथ्वी पर लौट रहे हैं। उनके साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में मौजूद क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट निक हेग और अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी आज, 18 मार्च को स्पेस स्टेशन से रवाना हुए।

चारों एस्ट्रोनॉट के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होने के बाद सुबह 08:35 बजे इस स्पेसक्राफ्ट का हैच यानी, दरवाजा बंद हुआ और 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से अलग हुआ। यह 19 मार्च को सुबह लगभग 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड होगा।

सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को चार फीसदी आरक्षण

कर्नाटक सरकार ने विधानसभा में पेश किया विधेयक

बंगलूरू,एजेंसी। सियासी विरोध के बीच कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में मुस्लिमों के लिए सरकारी ठेकों में चार फीसदी आरक्षण लागू करने वाला विधेयक पेश किया। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता (केटीपीपी) (संशोधन) विधेयक पेश किया।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी थी। इसमें दो करोड़ रुपये तक के नागरिक कार्यों और एक करोड़ रुपये तक के माल/सेवा अनुबंधों में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत अनुबंध आरक्षित किए गए हैं। प्रस्ताव की घोषणा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सात मार्च को पेश किए गए 2025-26 के बजट में की थी। भाजपा ने सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के कर्नाटक सरकार के कदम को असांविधानिक बताया था। भाजपा ने रद्द करने की मांग समेत अदालत तक जाने का एलान किया था। मंगलवार को पेश किए गए विधेयक में 2025-26 के बजट भाषण में दिए गए प्रस्ताव को लागू करने के लिए केटीपीपी अधिनियम, 1999 में संशोधन किया गया है।

मोदी बोले- महाकुंभ में अनेक अमृत निकले एकता का अमृत इसका पवित्र प्रसाद

राहुल बोले- भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ के भव्य आयोजन की तुलना भगीरथ के धरती पर गंगा लाने से की। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट और विविध स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा कि महाकुंभ का आयोजन हमें जल संरक्षण के महत्व का ध्यान कराता है और प्रेरणा देता है की कुंभ की भांति ही हम 'नदी उत्सव' मनाए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ से बहुत से अमृत निकले हैं। इसमें एकता का अमृत बहुत ही पवित्र प्रसाद है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। प्रयागराज में हमने इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया है। हमारा दायित्व है कि इस विशेषता का निमंत्रण समृद्ध होती रहे। मोदी ने कहा कि हमने करीब डेढ़ महीने तक भारत में महाकुंभ का उत्साह देखा, उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा, असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए कोटि-कोटि श्रद्धालु श्रद्धा भाव से जुटे, ये हमारी बहुत बड़ी ताकत

है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में अपने संबोधन में महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि पिछले वर्ष राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने हमें यह आभास कराया कि देश अगले हजार वर्षों के लिए तैयार है। इस वर्ष महाकुंभ के आयोजन ने हमारी सोच को मजबूत किया कि देश की सामूहिक चेतना हमें हमारी क्षमताओं का एहसास कराती है।प्रधानमंत्री मोदी ने सदन के माध्यम से देशवासियों, उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश की जनता, प्रयागराज की जनता और देशभर से आए श्रद्धालुओं का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने मॉरीशस की यात्रा के दौरान कुंभ त्रिवेणी संगम के पवित्र जल को वहां गंगा तालाब में मिलाये जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में देश के हर क्षेत्र, हर कोने के लोग आए और अहं त्याग कर वयं के भाव से के साथ प्रयागराज में जुटे। उन्होंने इसे वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों से जोड़ा और कहा कि महाकुंभ इस दौर में एकजुटता का एक विराट प्रदर्शन था। यह हमारी ताकत है।

पीएम मोदी के संबोधन पर राहुल बोले भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद मंगलवार को लोकसभा को संबोधित किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकुंभ पर वक्तव्य दिए जाने के बाद मंगलवार को कहा कि उन्होंने (मोदी ने) आयोजन स्थल पर भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी और सदन में विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें बोलने नहीं मौका नहीं मिला। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रोजगार के बारे में बोलना चाहिए।

पीएम के संबोधन पर विपक्ष : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा, मैं प्रधानमंत्री की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा कुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उसपर भी बोलना चाहिए था... लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष को तो बोलने का मौका दिया जाना चाहिए था लेकिन नहीं देते हैं, यह नया भारत है। वहीं पीएम मोदी के संबोधन के बाद विपक्ष को अपनी बात ना रखने देने को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि, वह महाकुंभ पर सकारात्मक बोल रहे थे... विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए था क्योंकि विपक्ष की भी इसके (महाकुंभ) प्रति भावनाएं हैं और अगर हम अपनी बात रखते हैं तो उन्हें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए... विपक्ष को भी दो मिनट बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए थी।

सीजफायर के बीच गाजा में इजराइली हमले फिर शुरू

एयरस्ट्राइक में 300 से ज्यादा की मौत, इजराइली रक्षामंत्री बोले- गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे

तेल अवीव,एजेंसी। इजराइल ने गाजा में फिर से हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के मुताबिक वायुसेना ने गाजा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अल जजीरा के मुताबिक इन हमलों में अब तक 326 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सैकड़ों घायल हैं।

19 जनवरी को इजराइल-हमास में शुरू हुए सीजफायर के बाद इजराइल का गाजा में यह सबसे बड़ा हमला है। इजराइली सेना का कहना है कि वह हमले की योजना बना रहे आतंकवादियों को निशाना बना रही है।

इजराइल ने पिछले दो हफ्तों से गाजा में भोजन, दवाइयों, ईंधन और अन्य सप्लाई को रोक दिया है और मांग की है कि हमास सीजफायर समझौते में बदलाव स्वीकार करे।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे : इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह हमले इसलिए कराए क्योंकि सीजफायर पर हो रही बातचीत आगे नहीं बढ़ रही थी। नेतन्याहू कई बार फिर से जंग शुरू करने की धमकी दे चुके हैं। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया तो गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे।

सीजफायर के पहले फेज में 33 इजराइली बंधक रिहा हुए

सीजफायर का पहला फेज 1 मार्च को खत्म हो गया है। पहले फेज में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजराइल 2 हजार से फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजराइल और हमास में बीच सीजफायर के दूसरे फेज पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं हो पाई है। इस फेज में लगभग 60 बंधकों को रिहा किया जाना था। साथ ही जंग को पूरी तरह से खत्म करने पर बात होनी थी।

हमास ने इजराइली हवाई हमलों को सीजफायर का उल्लंघन बताया है। हमास ने धमकी दी है कि इस कदम से उसकी कैद में मौजूद इजराइली बंधकों की जान खतरे में आ गई है।

मणिपुर में चार उग्रवादी और नशीले पदार्थों का सौदागर गिरफ्तार

इंफाल,एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में चार उग्रवादियों और नशीले पदार्थों के एक सौदागर को गिरफ्तार किया है। राज्य में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। यह जानकारी आज सुबह पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों ने केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर खुंद्रकपम माइकल सिंह (33) को निंगथौखोंग खा केइरुंगबम लेकाई से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने सांगाइप्रू एफसीआई गोदाम क्षेत्र में एक 9 एमएम पिस्तौल और कुछ गोलियां छिपाने की बात कबूल की। उसके कब्जे से 9 एमएम पिस्तौल (एक) खाली मैगजीन के साथ, 9 एमएम की चार गोलियां, 9 एमएम का एक खाली खोल, एक एके-47 की जिंदा गोली, 7.62 एमएम की एक जिंदा गोली, .303 की दो जिंदा गोलियां, एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड तथा एक आधार कार्ड बरामद हुई। इसके अलावा, इंफाल पश्चिम जिले में वांगोई थाना क्षेत्र के हाओरेबी मयाई लेकाई से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के कैडर लैशराम टोम्बा सिंह (33) को गिरफ्तार किया गया। वह आम जनता, सरकारी कर्मचारियों और दुकानदारों से जबरन वसूली में शामिल था। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के वांगोई थाना क्षेत्र के शामुरौ नाओरेम चापरौ मखा लेकाई

से प्रेपाक/यूपीपीके के कैडर अथोकपम रोमियो सिंह उर्फ नांबा (44) को गिरफ्तार किया गया। वह पहले आरपीएफ/पीएलए का सदस्य था और जबरन वसूली में संलिप्त था। उसके पास से दो मोबाइल फोन (सिम कार्ड सहित) और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।

सुरक्षा बलों ने लैपेल थाना क्षेत्र के लैंगोल गेम विलेज ज़ोन-III में मैरी कॉम रीजनल बॉक्सिंग फाउंडेशन के पास से आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर लौरेम्बम ब्रोजन सिंह उर्फ डाइसन (50) को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन, एक दोपहिया वाहन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।इसके अतिरिक्त, सुरक्षा बलों ने चंदेल जिले के मोलचाम थाना क्षेत्र के कुलजंग गांव से मार्टिन प्रतिनलेन किलोन्ग (23) को गिरफ्तार किया। उसके पास से लगभग 5.48 किलोग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर (137 साबुन के डिब्बों में), एक चारपहिया वाहन, दो मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद हुआ।

रेलवे की अनुदान मांगें लोकसभा से पारित

हंगामें के बीच सदन की कार्यवाही आज तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य के बाद विपक्ष के हंगामें के चलते कार्रवाई पहले एक बजे और बाद में रेलवे की अनुदान मांगों के पारित होने के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में आज शून्य काल के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ पर विशेष वक्तव्य दिया। उनके वक्तव्य के बाद विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष मुद्दे पर सवाल जवाब चाहता था। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि नियम 372 के तहत स्वेच्छा से मंत्री एवं प्रधानमंत्री अपना वक्तव्य दे सकते हैं। उसके बाद कोई सवाल जवाब नहीं होता है।

इसके बाद शून्य काल में कुछ सदस्यों ने अपना विषय रखा लेकिन विपक्ष का हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही को 01 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। एक बजे दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू होने पर रेलवे की अनुदान मांगों पर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कल हुई चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसी बीच मंत्री के जवाब के बाद अनुदान मांगों को सदन में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। रेलवे की अनुदान मागों के बाद जलशक्ति मंत्रालय से जुड़ी मांगों पर सदन ने विचार शुरू किया। बाद में हंगाम बढ़ते देख पीठासीन अधिकारी साधना राय ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।

नागपुर में भड़की हिंसा

शिंदे बोले- औरंगजेब के समर्थकों को बर्दाश्त नहीं करेंगे; सीएम ने घायल पुलिसकर्मी से की बात

छावा फिल्म ने औरंगजेब के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़काया, नागपुर हिंसा पर बोले सीएम फडणवीस

नागपुर,एजेंसी। नागपुर में भड़की हिंसा के बाद हालात तनावपूर्ण हैं। पुलिस ने शहर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। नागपुर पुलिस ने शहर में अशांति फैलाने के आरोप में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। हंसपुरी इलाके में एक और झड़प के बाद कई घरों और वाहनों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई। सीएम फडणवीस, नागपुर से सांसद नितिन गडकरी समेत तमाम लोगों ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

प्री-प्लान थी नागपुर हिंसा- प्रतापराव जाधव : नागपुर हिंसा पर केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा, कल की घटना प्री-प्लान थी, जो दंगाईयां थे वे पूरे शस्त्र के साथ आए हुए थे, हमारे पुलिस को भी जख्मी किया गया। उन्होंने कुछ वाहनों को भी जलाया...ये निश्चित रूप से सब कुछ प्री-प्लान था।

50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया

पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंघल ने मंगलवार को बताया कि नागपुर शहर में हुई हिंसा के सिलसिले में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है और पांच एफआईआर दर्ज की गई हैं। सोमवार शाम को मध्य नागपुर में हिंसा भड़क उठी, जिसमें पुलिस पर पथराव किया गया। यह अफवाह फैली कि मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र (छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित) को हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान पवित्र पुस्तक को जलाया गया।

कुछ लोगों को अच्छा काम पसंद नहीं आ रहा है- श्रीकांत शिंदे

शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने नागपुर हिंसा पर कहा, महाराष्ट्र में काम अच्छा चल रहा है, योजनाएं लोगों तक पहुंच रही हैं। कुछ लोगों को अच्छा काम पसंद नहीं आ रहा है, वे हिंसा चाहते हैं, कुछ लोग हर दिन धर्म के नाम पर लोगों को बांटने का काम कर रहे हैं। यह एक पूर्व नियोजित साजिश है, सरकार इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

महाराष्ट्र को मणिपुर बनाना चाहती है भाजपा : शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा महाराष्ट्र को अगला मणिपुर बनाना चाहती है। जब नागपुर में हिंसा भड़की तो सीएमओ की तरफ से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी गई।

नागपुर हिंसा पर क्या बोले ओवैसी

नागपुर हिंसा पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा बीते कुछ हफ्तों में, महाराष्ट्र के सीएम और अन्य मंत्रियों ने जो भी बयान दिए हैं, उन्हें शायद ये भी नहीं पता है कि सीएम और बतौर मंत्री क्या जिम्मेदारी है। एक मुगल बादशाह के पुतले फूंके जा रहे हैं, लेकिन उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई तो उन्होंने एक कपड़े पर कुरान की आयतें लिखीं और उसे जला दिया। पुलिस को इस बारे में बताया गया, लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया। इसके बाद हिंसा हुई। यह सरकार और खुफिया विभाग की असफलता है।

घायल पुलिस उपायुक्त से सीएम फडणवीस ने की बात : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक दिन पहले नागपुर में हुई हिंसा में घायल हुए पुलिस उपायुक्त निकेतन कदम से बात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

कुछ लोगों को अच्छा काम पसंद नहीं आ रहा है- श्रीकांत शिंदे शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने नागपुर हिंसा पर कहा, महाराष्ट्र में काम अच्छा चल रहा है, योजनाएं लोगों तक पहुंच रही हैं। कुछ लोगों को अच्छा काम पसंद नहीं आ रहा है, वे हिंसा चाहते हैं, कुछ लोग हर दिन धर्म के नाम पर लोगों को बांटने का काम कर रहे हैं।

मणिपुर के चुराचांदपुर में कर्फ्यू

हमार जनजाति के नेता पर हमले के चलते हिंसा, पुलिस ने हवाई फायरिंग कर उपद्रवियों को खदेड़ा

नई दिल्ली,एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में रविवार देर शाम हमार जनजाति के नेता रिचर्ड हमार पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया था। सोमवार को हमार जनजाति के लोगों ने न्याय की मांग को लेकर बंद बुलाया।

इस बीच इलाके में तनाव बढ़ गया और हमार जनजाति का एक समूह सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी करने लगा। स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षाबलों ने उपद्रवियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और हवाई फायरिंग की। इसके बाद इलाके में कर्फ्यू लगा दिया।

चुराचांदपुर के अतिरिक्त

जिलाधिकारी ने अगले आदेश तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNS) की धारा 163 (पहले IPC की धारा 144) लगा दी है और सुरक्षा बलों की तैनाती भी बढ़ा दी गई है।

कहासुनी के चलते हुआ हमला : मणिपुर पुलिस के मुताबिक, हमार इनपुई संगठन के महासचिव रिचर्ड हमार पर रविवार शाम जेनहांग लामका में वीके मोंटेसरी परिसर के अंदर लोगों के एक समूह ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रिचर्ड अपनी गाड़ी चला रहे थे, जो एक दोपहिया सवार से टकराते बची। इससे रिचर्ड की दोपहिया वाहन सवार युवकों से कहासुनी हो गई। जो बाद में इतनी आगे बढ़ गई कि दूसरे पक्ष ने रिचर्ड पर हमला कर दिया।

मतदान केंद्रवार डेटा ऑनलाइन अपलोड करने पर चर्चा के लिए तैयार, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली ,एजेंसी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वे मतदान केंद्रवार मतदाताओं का डेटा ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए याचिकाकर्ता से चर्चा के लिए तैयार हैं। चुनाव आयोग ने याचिकाकर्ता से अपने प्रतिनिधि को 10 दिनों के भीतर आयोग के समक्ष भेजने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और एनजीओ एडीआर की याचिकाओं पर सुनवाई की। इस सुनवाई के दौरान ही अपने सबमिशन में चुनाव आयोग ने चर्चा की बात कही है।

याचिका में की गई है ये मांग : याचिका में आयोग से लोकसभा चुनाव में मतदान केंद्रवार मतदाताओं का डेटा आयोग की वेबसाइट पर मतदान होने के 48 घंटे के भीतर अपलोड करने की मांग की गई है। चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग प्रमुख ज्ञानेश कुमार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। चुनाव आयोग के सबमिशन पर सुप्रीम कोर्ट पीठ ने भी सहमति जताई और याचिकाकर्ताओं के प्रतिनिधि को चुनाव आयोग से मिलने को कहा। इसके बाद मामले पर सुनवाई 28 जुलाई तक टाल दी गई। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बीते साल मई में सुनवाई के दौरान एनजीओ की मांग का विरोध किया था।

अहमदाबाद में शेयर बाजार के दिग्गज मेघ शाह के फ्लैट से 87 किग्रा सोना और एक करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अहमदाबाद के पालडी इलाके में अविष्कार फ्लैट्स पर छापा मारकर 87.900 किलोग्राम सोना और 1.3 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की है। यह बरामदगी शेयर बाजार के दिग्गज महेंद्र शाह और उनके बेटे मेघ शाह के फ्लैट से की गई है।यह सफलता डीआरआई और एटीएस के संयुक्त अभियान में मिली है। एजेंसियों का कहना है कि अहमदाबाद में हुई इस बरामदगी का कनेक्शन मुंबई तक फैला हुआ है। मुंबई में रहने वाले और डब्बा ट्रेडिंग से जुड़े मेघ शाह

नामक युवक ने डब्बा ट्रेडिंग से कमाए पैसों से खरीदे गए सोना को छिपाने के लिए अहमदाबाद में एक फ्लैट किराए पर ले रखा था। हर्षद मेहता की तरह मेघ शाह भी शेयर बाजार में छोटी-छोटी स्क्रिप्ट का कारोबार करके केंद्रीय एजेंसियों की नजर में आया। जांच एजेंसियों के अनुसार, फर्जी कंपनियों के शेयर मूल्यों में हेरफेर करने वाले एक संचालक महेंद्र शाह और उनके बेटे मेघ शाह ने यह फ्लैट किराए पर लिया था। बताया गया है कि इस फ्लैट से करोड़ों की कीमत वाली एक ब्रांडेड घड़ी भी मिली है। जब्त सोने का बाजार मूल्य 100 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। सोमवार को शुरू हुआ यह ऑपरेशन आज सुबह 8 बजे समाप्त हुआ। दोनों एजेंसियों ने पालडी में महालक्ष्मी चौराहे के पास आविष्कार अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 104 पर सोमवार को छापा मारा था। महेंद्र शाह शेयर मार्केट में ऑपरेटर है। कहा जा रहा है कि यह सोना पिछले एक साल में खरीदा गया था। फ्लैट में एक तिजोरी में करोड़ों के लेन-देन की कच्ची प्रविष्टियां मिलने की बात कही जा रही है।

संपादकीय

गलत है अमेरिका

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय पीएचडी स्टूडेंट रंजनी श्रीनिवासन को फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन के चलते अमेरिका में निर्वासन का सामना करना पड़ा। ट्रंप प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए उनका स्न-1 वीजा रद्द कर दिया, बावजूद इसके कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को हिंसा और आतंकवाद का समर्थन नहीं कहा जा सकता।

अमेरिका में कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय मूल की क्काष्ठ स्टूडेंट रंजनी श्रीनिवासन का स्न-1 वीजा रद्द होने की वजह से निर्वासन पर मजबूर होना पड़ा, जो दुखद है। उनका वीजा कथित तौर पर यूनिवर्सिटी कैंपस में फलस्तीन के समर्थन में हुए प्रदर्शन में शामिल होने की वजह से रद्द किया गया था।

सबूत नहीं दिए॰ अमेरिकी होमलैंड सिक्यॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से कहा गया कि अमेरिका में रहने और पढ़ने के लिए जिन लोगों को वीजा मिलता है, यह उनके लिए सम्मान की बात होनी चाहिए। उसने यह भी कहा कि इस तरह का वीजा जिन लोगों को मिला है, अगर वे हिंसा और आतंकवाद की तरफदारी करते हैं तो उनसे यह सम्मान वापस ले लिया जाना चाहिए। लेकिन क्या रंजनी ने हिंसा और आतंकवाद का समर्थन किया था? अगर हां तो ट्रंप प्रशासन ने इसके सबूत क्यों नहीं दिए।

गलत आरोप॰ फलस्तीन के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने को हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करना नहीं माना जा सकता। दुनिया के ज्यादातर मुल्क फलस्तीन-इस्राइल संघर्ष में 'टू स्टेट थिअरी' की वकालत करते हैं। उनमें भारत भी शामिल है। इस थिअरी के मुताबिक, फलस्तीन और इस्राइल दोनों को अपना अस्तित्व बनाए रखने का अधिकार है।

मानवीय संकट॰ इस संघर्ष की सचाई यह है कि इस्राइल ने फलस्तीन के बड़े इलाके पर कब्जा किया हुआ है और हमास के उसके क्षेत्र में आतंकवादी हमला करने और इस्राइलियों को बंधक बनाए जाने के बाद बिन्यामिन नेतन्याहू सरकार गाजा में सैन्य अभियान चला रही है, जिसमें बड़ी संख्या में फलस्तीनी मारे गए हैं और वहां एक मानवीय संकट भी खड़ा हो गया है।

युद्ध अपराध॰ नेतन्याहू पर युद्ध अपराधों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने वॉरंट जारी किया हुआ है. जबकि इस्राइल-फलस्तीन युद्ध पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का गाजा को 'ह्द्ध1द्वद्धह्ड्ड' बनाने का हास्यास्पद प्रस्ताव आ चुका है।

राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला॰ खैर, रंजनी के मामले में ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि उनका वीजा राष्ट्रीय सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए रद्द किया गया। ट्रंप के गाजा पर दिए गए प्रस्ताव की तरह ही यह भी हास्यास्पद है। आखिर एक स्टूडेंट से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को क्या खतरा हो सकता है?

लोकतंत्र की भावना॰ ट्रंप सरकार को याद रखना चाहिए कि रंजनी जैसे उच्च शिक्षित स्टूडेंट्स ने अमेरिका के विकास में सराहनीय योगदान दिया है। वे कई शीर्ष अमेरिकी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। रंजनी का निर्वासन उस लोकतंत्र की भावना के भी खिलाफ है, जिसके केंद्र में अभिव्यक्ति की आजादी रहा है और अमेरिका को वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक भी माना जाता रहा है।

पर्वतों से ग्लेशियर के टूटने का सिलसिला कब टूटेगा

(वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली, पर्यावरण वैज्ञानिक)

उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम से तीन किलोमीटर दूर माणा गांव के समीप हिमस्खलन हादसे की चपेट में आई आठ जिंदगियों को बचाया न जा सका। इसके पहले 7 फरवरी, 2021 को चमोली जिले में ही रैणी व तपोवन क्षेत्र में ग्लेशियर टूटने से जल प्रलय आया था। तब 'ग्लेशियर बर्स्ट' जैसे शब्द का उपयोग किया गया था। मीडिया सनसनी के लिए शायद ग्लेशियर बर्स्ट शब्द ठीक है, परंतु वैज्ञानिक शब्दावली में इसका खास उल्लेख नहीं है। ग्लेशियर को समझना जरूरी है।

दशकों से यह खबर हम सभी सुनते आ रहे हैं कि हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। अमेरिका की एक एजेंसी तो पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु-परिवर्तन के खतरों से आगाह कर चुकी है। सब जानते हैं कि इन्हीं ग्लेशियरों के कारण हिमालय को जल मीनार भी कहा जाता है। यह वैज्ञानिक राय स्पष्ट है कि सर्दियों में पर्वतों पर बर्फ को जमने देना चाहिए, पर शीतकाल में भी उन पहाड़ों पर भारी मशीनी कार्य हो रहे हैं, जिन पर ग्लेशियर टिके हैं। यह बहुत चिंताजनक है। अतः इसे मानव उत्प्रेरित त्रासदी भी कहा जा सकता है। यही नहीं, दशकों से यह पूरी तरह संज्ञान में है कि ग्लेशियरों के भीतर झीलें बढ़ रही हैं, जिनकी परिधियां जब टूट जाती हैं, तो भारी तबाही लाती हैं, तब भी विशेषकर उत्तराखंड में ग्लेशियर के प्रति संवेदना न जागना चिंताजनक है।

ग्लेशियर तो खुद पर्यावरण की मार खाए हुए हैं। सदैव गतिमान रहना उनका स्वभाव है। ग्लेशियर जब प्राकृतिक रूप से किसी पहाड़ के किनारे पहुंचते हैं, तो वहां लटके या झूलते रहते हैं व कभी टूट कर गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वशीभूत हो जाते हैं। उनके नीचे नदियां हों, तो उन पर गिरेंगे। बस्तियां होंगी, तो उन पर गिरेंगे। इसमें ग्लेशियरों का क्या दोष? पहली क्षति उनको ही होती है, एक हादसे में उनका बहुत कुछ सदा के लिए समाप्त हो जाता है। जब हादसा हो जाता है, तब बयानबाजी होती है, अन्यथा कमाई करने के नाम पर चाहे पर्यटकों से हों या तीर्थयात्रियों से हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में कंपन पैदा करने वाले निर्माण कार्य जारी रहते हैं।

पवित्र चार धाम- बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री ग्लेशियर के अंचल में ही स्थित हैं। इन सभी धाम में लाखों लोग पहुंचते हैं। हजारों वाहन आते हैं। हवाई परिवहन भी बढ़ रहा है। यहां सीमेंट-सरिया से भी शहरीकरण हो रहा है। नतीजा यह कि ग्लेशियर साल-दर-साल घटते जा रहे हैं। वैश्विक प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन से खतरे बढ़ते जा रहे हैं। सहज ही यह सवाल पैदा होता है कि क्या राज्य सरकार ग्लेशियर के बचाव के लिए कुछ कर सकती है? ग्लेशियर को बचाने की पहल किसे करनी चाहिए और क्या वाकई ग्लेशियर की चिंता कोई कर रहा है? हर हादसे के बाद ऐसे सवाल खड़े होते हैं और समय के साथ शांत हो जाते हैं।

उपाय क्या है? जिन चट्टानों पर ग्लेशियर टिके हों, वहां किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। तापक्रम बढ़ने से ग्लेशियर का पिघलना सामान्य बात है, लेकिन उन पर गिरने वाली बर्फ से भरपाई होती रहे, तो उनका संतुलन बना रहता है।

साल 2018 में बेंगलुरु के जलवायु परिवर्तन पर काम करने वाले एक संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेट बढ़ गया है। वहां सर्दियां भी लगातार गर्म हो रही हैं। यथार्थ यह है कि हिमालय के ग्लेशियर विश्व के जलवायु के संकेतक हैं। क्या इन संकेतकों पर ठीक से गौर किया जा रहा है? बिजली उत्पादन, औद्योगिकीकरण, परिवहन, पर्यटन, तीर्थाटन के नाम पर ग्लेशियर क्षेत्रों तक भीड़ व गतिविधियां बढ़ रही हैं। ये दुर्लभ पर्वतीय क्षेत्र महज आमोद-प्रमोद के लिए नहीं हैं। इन पर्वतों और ग्लेशियर को स्वस्थ रहने देना चाहिए। गंगा, यमुना जैसी नदियों और हिमालय को जीवित इंसान की तरह मानना हम कब शुरू करेंगे?

मैं 1970 के दशक में बदरीनाथ से माणा तक हुए भू-भौतिकीय सर्वेक्षण में शामिल रहा था और तब भी यह संवेदनशील क्षेत्र था। आज व्यावसायिक हित इतना हावी हो गया है कि माणा को टूरिस्ट हब बना दिया गया है। स्थानीय सजग लोग भी मानते हैं कि वास्तविक चिंताओं और खतरों की अनदेखी हो रही है। क्या ताजा हादसे के बाद अनदेखी का सिलसिला टूटने वाला है?(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दुर्लभ बीमारी एक स्वास्थ्य समस्या है जो कभी-कभार होती है और सीमित संख्या में व्यक्तियों को प्रभावित करती है। इस श्रेणी में आनुवंशिक विकार, असामान्य कैंसर, संक्रामक रोग और अपक्षयी स्थितियाँ शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर 7, 000 से अधिक मान्यता प्राप्त बीमारियों में से केवल 5त्न के लिए ही प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं। भारत में, लगभग 450 पहचानी गई दुर्लभ बीमारियों में से आधे से भी कम का इलाज़ किया जा सकता है। अधिकांश रोगियों को अक्सर केवल बुनियादी देखभाल ही मिलती है जो लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद करती है। दुर्लभ बीमारियों के कुछ उपचारों में अत्यधिक महंगी दवाइयाँ और सहायक उपचार शामिल होते हैं, जिससे वहनीयता एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बन जाती है। प्रत्येक स्थिति से प्रभावित रोगियों की कम संख्या के कारण दवा कंपनियाँ अक्सर दुर्लभ बीमारियों को एक व्यवहार्य बाज़ार के रूप में अनदेखा कर देती हैं। परिणामस्वरूप, इन बीमारियों को अनाथ रोग के रूप में लेबल किया जाता है और सम्बंधित दवाओं को अनाथ दवाएँकहा जाता है। भारत में, दुर्लभ बीमारी का निदान करने में आम तौर पर औसतन सात साल लगते हैं। देरी या ग़लत निदान रोगियों की पीड़ा को बहुत बढ़ा सकता है। दुर्लभ बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को पहचानने वाले प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी भारत में स्थिति को और जटिल बनाती है।

दुर्लभ बीमारियों के बोझ तले कहराते मरीज

डॉ सत्यवान सौरभ

दुर्लभ बीमारियाँ ऐसी स्थितियाँ हैं जो आबादी के एक छोटे से हिस्से को प्रभावित करती हैं, फिर भी वे सामूहिक रूप से भारत में 70 मिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित कर रही हैं। दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति 2021 उनके उपचार से जुड़ी चुनौतियों से निपटने का प्रयास करती है, लेकिन वित्तीय सीमाएँ एक महत्त्वपूर्ण बाधा बनी हुई हैं। हर साल प्रति मरीज़ ?10 लाख से ?16 करोड़ तक के उपचार ख़र्च के साथ, अपर्याप्त फंडिंग तंत्र रोगियों के लिए आवश्यक देखभाल तक पहुँचना मुश्किल बनाते हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। अधिकांश दुर्लभ बीमारियों का एक आनुवंशिक आधार होता है और अक्सर गंभीर, पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनते हैं। कई में उचित निदान विधियों या उपचार प्रोटोकॉल का अभाव होता है और मौजूदा उपचार आमतौर पर इलाज़ प्रदान करने के बजाय केवल लक्षणों का प्रबंधन करते हैं। भारत में, कई विकासशील देशों की तरह, दुर्लभ बीमारियों की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है। भारत में दुर्लभ बीमारियों का बोझ काफ़ी अधिक है, जो वैश्विक मरीजों का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति से पता चलता है कि भारत में लगभग 50-100 मिलियन व्यक्ति इन स्थितियों से प्रभावित हैं। देश में 450 से अधिक मान्यता प्राप्त दुर्लभ बीमारियाँ हैं, जिनमें स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी और गौचर रोग जैसी प्रसिद्ध स्थितियाँ शामिल हैं। लगभग 8 से 10 करोड़ भारतीय दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें से 75त्न से अधिक बच्चे हैं। इन गंभीर स्थितियों से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर की उच्च दर एक प्रमुख कारण है कि इनमें से कई बच्चे वयस्कता तक जीवित नहीं रह पाते हैं।

प्रति मरीज़ ?50 लाख की एकमुश्त फंडिंग, पुरानी दुर्लभ बीमारियों के आजीवन प्रबंधन के लिए अपर्याप्त है, जिसके परिणामस्वरूप उपचार बंद हो जाता है। हालाँकि 12 उत्कृष्टता केंद्रों को ?143.19 करोड़ आवंटित किए गए हैं, लेकिन फंड वितरण में देरी से आवश्यक उपचारों तक पहुँच में बाधा आती है। कुछ उत्कृष्टता केंद्रों ने फंड का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में देरी की है, जिससे गौचर रोग के रोगियों के लिए एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी में देरी हो रही है, इसके स्थापित लाभों के बावजूद 2021 में एसिड स्फिंगोमाइलेनेज डेफिसिएंसी जैसी अति-दुर्लभ स्थितियाँ शामिल नहीं हैं, जिससे पात्र रोगी वित्तीय सहायता के बिना रह जाते हैं। भारत में, एसिड स्फिंगोमाइलिनेज की कमी के रोगी सरकारी सहायता के बिना हैं, भले ही चिकित्सकीय रूप से स्वीकृत उपचार उपलब्ध हों। फंड के उपयोग की निगरानी करने और समय पर उपचार प्रदान करने के लिए कोई निरीक्षण नहीं है। संसद द्वारा समर्थित पहलों के क्रियान्वयन में देरी हो रही है, जिससे लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर वाले रोगी आवश्यक सहायता के बिना पीड़ा झेल रहें हैं। लंबी स्वीकृति प्रक्रिया और खराब अंतर-एजेंसी समन्वय के कारण उपचार में रुकावट आती है। क्राउडफंडिंग पोर्टल से फंड का इंतज़ार कर रहे मरीजों को अक्सर अस्पष्ट पात्रता मानदंड और प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण देरी का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 एक स्थायी फंडिंग मॉडल के बजाय एकमुश्त अनुदान पर निर्भर करता है, जिससे चल रहे उपचार अव्यवहारिक हो जाते हैं। लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रोगियों को आजीवन एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी की आवश्यकता होती है, लेकिन नीतिगत प्रावधान ?50 लाख के बाद फंडिंग को समाप्त कर देते हैं।

राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 में 450 से अधिक दुर्लभ बीमारियों में से आधे से भी कम को कवर किया गया है, जिससे कई मरीज बिना किसी सहायता के रह जाते हैं। पॉम्पे और फैब्री रोग जैसी स्थितियाँ, जिनके प्रभावी उपचार उपलब्ध हैं, नीति द्वारा पूरी तरह से कवर नहीं की गई हैं। प्रदर्शन ऑडिट की अनुपस्थिति अप्रभावी कार्यान्वयन और उत्कृष्टता केंद्रों में धन के कम उपयोग की ओर ले जाती है। इन केंद्रों ने पारदर्शी निधि वितरण प्रदान करने में देरी की है, जिसके परिणामस्वरूप लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के रोगियों के लिए गंभीर देरी हुई है। डॉक्टरों और रोगियों दोनों को अक्सर उपलब्ध उपचारों और वित्तपोषण विकल्पों के बारे में जानकारी का अभाव होता है, जो आउटरीच प्रयासों में बाधा डालता है। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति 2021 लाभों के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले कई परिवार इनके बारे में नहीं जानते हैं, जिसके परिणामस्वरूप केंद्रों में नामांकन दर कम है। केंद्रीकृत डेटाबेस की कमी से रोगी के ग़लत अनुमान और धीमी नीति प्रतिक्रियाएँ होती हैं। एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री वास्तविक समय की उपचार आवश्यकताओं की प्रभावी रूप से निगरानी कर सकती है, जिससे बेहतर निधि वितरण और समय पर नीति समायोजन की सुविधा मिलती है। आजीवन उपचार खर्चों को कवर करने के लिए प्रति रोगी ?50 लाख से अधिक का एक स्थायी सरकारी कोष बनाना आवश्यक है। जर्मनी और यूके जैसे देशों ने दुर्लभ बीमारियों के लिए विशेष कोष स्थापित किए हैं, जिससे निरंतर रोगी देखभाल सुनिश्चित होती है। हमें सरकारी संसाधनों को बढ़ाने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी फंडिंग, दवा कंपनियों के साथ साझेदारी और क्राउडफंडिंग प्रयासों का उपयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, भारत में नोवार्टिस की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के रोगियों को महंगी जीन थेरेपी की आवश्यकता के लिए सहायता प्रदान की है। दुर्लभ बीमारियों के लिए आजीवन उपचार को शामिल करने के लिए आयुष्मान भारत और राज्य बीमा कार्यक्रमों का विस्तार करना महत्त्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, फंड के उपयोग की निगरानी, रोगी के उपचार की प्रगति को ट्रैक करने और सीओई की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया जाना चाहिए। ब्लॉकचेन-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम को लागू करने से नौकरशाही बाधाओं के बिना पारदर्शी फंड वितरण की गारंटी मिल सकती है।

त्वरित निदान, किफ़ायती उपचार और बेहतर बुनियादी ढाँचा सुनिश्चित करने के लिए ?974 करोड़ की पहल में तेज़ी लाएँ। इस कार्यक्रम को तेज़ी से आगे बढ़ाने से हज़ारों अनुपचारित रोगियों को बहुत लाभ हो सकता है और बाल मृत्यु दर को कम करने में मदद मिल सकती है। एक संपूर्ण दुर्लभ रोग नीति को केवल इरादों से आगे बढ़कर प्रभावी निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सरकारी सहायता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व प्रयासों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मिलाकर स्थायी वित्तपोषण आवश्यक है। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना, प्रारंभिक निदान को बढ़ाना और बीमा कवरेज को व्यापक बनाना उपचार को और अधिक सुलभ बना देगा। भारत में दुर्लभ रोग रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मज़बूत संस्थागत ढाँचों द्वारा समर्थित रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को अपनी निदान सटीकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है। दुर्लभ रोगों के पारिवारिक इतिहास वाली गर्भवती माताओं को अनिवार्य प्रसव पूर्व जाँच और प्रसवोत्तर देखभाल से गुजरना चाहिए। सरकार को दुर्लभ रोगों की स्पष्ट परिभाषा स्थापित करनी चाहिए, बजट आवंटन बढ़ाना चाहिए, दवा विकास और उपचारों के लिए धन आवंटित करना चाहिए और उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या का विस्तार करना चाहिए। ये क़दम दुर्लभ बीमारियों की राष्ट्रीय नीति 2021 को मज़बूत करेंगे। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को सीएसआर पहलों और वित्तपोषण सहयोग के माध्यम से दुर्लभ बीमारियों के लिए सामाजिक सहायता कार्यक्रमों के वित्तपोषण में शामिल होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, दुर्लभ बीमारियों के लिए सभी जीवन रक्षक दवाओं से जीएसटी हटाने से इन दवाओं को और अधिक किफायती बनाने में मदद मिलेगी।

रंग पंचमी को देवी देवता रंग खेलने पृथ्वी पर आते हैं

रंग पंचमी, होली के पांचवें दिन मनाया जाने वाला त्योहार है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के साथ होली खेली जाती है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता भी धरती पर आते हैं और होली खेलते हैं। रंग पंचमी को आध्यात्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन रंगों का इस्तेमाल करने से दुनिया में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस दिन जो रंग एक-दूसरे को लगाते हैं वह आसमान की ओर उड़ाते हैं, ऐसा करने से देवी-देवता आकर्षित होकर अपनी कृपा बरसाते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण के साथ अन्य देवी-देवाताओं को गुलाल लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्चा का संचार होता है।

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

रंग पंचमी, होली के पांचवें दिन मनाया जाने वाला त्योहार है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के साथ होली खेली जाती है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता भी धरती पर आते हैं और होली खेलते हैं। रंग पंचमी को आध्यात्मिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन रंगों का इस्तेमाल करने से दुनिया में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस दिन जो रंग एक-दूसरे को लगाते हैं वह आसमान की ओर उड़ाते हैं, ऐसा करने से देवी-देवता आकर्षित होकर अपनी कृपा बरसाते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण के साथ अन्य देवी-देवाताओं को गुलाल लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्चा का संचार होता है।

इस दिन खासकर भगवान कृष्ण की पूजा करने से मनोवांछित फल प्राप्त होता है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद व्रत पूजा का संकल्प लेना चाहिए। घर के किसी साफ़ स्थान पर भगवान राधाकृष्ण की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करनी चाहिए। तस्वीर पर कुमकुम से तिलक लगाना चाहिए और फूल माला अर्पित करनी चाहिए। कलश पर स्वास्तिक का चिह्न बनाना चाहिए और उसके ऊपर मौली बांधनी चाहिए।

कहा जाता है कि रंग पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण अपनी प्रेयसी राधा रानी के साथ होली खेला करते थे। इसके अलावा इस दिन देवी-देवता भी आसमान से फूलों की वर्षा करते हैं, इसलिए रंग पंचमी के दिन हवा में अबीर-गुलाल उड़ाने की परंपरा निभाई जाती है। साथ ही रंग पंचमी के दिन श्रीकृष्ण के साथ राधा रानी की पूजा की जाती है। इस दिन श्रीकृष्ण और राधा रानी को गुलाल अर्पित करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

19 मार्च रंग पंचमी पर विशेष

कई जगहों पर रंग पंचमी के दिन जुलूस निकाले जाते हैं, जिसमें हुरियारे अबीर गुलाल उड़ाते हैं। रंग पंचमी के दिन हवा में अबीर और गुलाल उड़ाए जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन वातावरण में उड़ते हुए गुलाल से व्यक्ति के सात्विक गुणों में अभिवृद्धि होती है। साथ ही तामसिक और राजसिक गुणों का नाश हो जाता है, इसलिए इस दिन शरीर पर रंग न लगाकर वातावरण में रंग बिखेरा जाता है।रंग पंचमी के दिन माता लक्ष्मी व भगवान विष्णु की एक साथ पूजा करनी चाहिए। माता लक्ष्मी धन संपत्ति, ऐश्वर्य आदि की देवी हैं। पूजा के समय माता लक्ष्मी व भगवान विष्णु को लाल गुलाल अर्पित करें। पूजा के समय कनकधरा स्तोत्र का पाठ करें। ऐसा करने से धन-संपदा में वृद्धि होती है। रंग पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण व राधा रानी की विधिवत पूजा करें। इसके बाद उन्हंम गुलाल अर्पित करें। मान्यता है कि ऐसा करने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं दूर होती हैं। प्रेम संबंध मजबूत होते हैं। दांपत्य जीवन में खुशहाली के लिए पति-पत्नी को एक साथ पूजा करनी चाहिए। रंग पंचमी के दिन माता लक्ष्मी की पूजा करना फलदायी माना गया है। पूजा के समय माता लक्ष्मी को सफेद मिठाई जैसे बर्फी, बताशा, मिश्री या खीर का भोग लगाना चाहिए। मां लक्ष्मी के प्रसन्न होने से परिवार में धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। रंग पंचमी के दिन एक पीले कपड़े में एक सिक्का और हल्दी की पांच गांठें बांधकर पूजा स्थल पर रख दें। फिर माता लक्ष्मी का ध्यान करके एक घी का दीपक जलाएं। दीपक के शांत होने पर हल्दी और सिक्के की पोटली को तिजोरी में रखें। ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है।

भोपाल में रंगपंचमी पर टैंकरों से रंगों की बरसात

पुराने शहर से निकला जुलूस; पीसीसी चीफ ने नेता प्रतिपक्ष के साथ गाया फाग गीत

भोपाल । भोपाल में रंगपंचमी धूमधाम से मनाई जा रही है। गली-गली, चौक-चौराहों और कॉलोनियों में रंगों और गुलाल की बौछार शुरू हो गई है। छोटे-बड़े सभी उम्र के लोग अबीर-गुलाल उड़ाते हुए, ढोल की थाप पर नाचते-गाते और एक-दूसरे को रंग लगाकर होली का आनंद ले रहे हैं।

इस बीच, पुराने भोपाल से रंगपंचमी का भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस के दौरान झांकियां भी नजर आई, जिनमें शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और ब्रज की होली की झलक देखने को मिली। साथ ही ढोल-ताशे, डीजे, दुल-दुल घोड़ी, ऊंट, घोड़े और फूल-गुलाल उड़ाने वाली मशीनों ने इस उत्सव की रौनक को दोगुना कर दिया।

जुलूस चौक से शुरू होकर घोड़ा नक्कास, कुंदन नमकीन, जुमेराती से होते हुए पीर गेट स्थित कर्फ्यू वाली माता के मंदिर पर पहुंचा, जहां हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। समापन के दौरान 6 टैंकरों से लोगों पर गुलाल बरसाया गया, जिससे पूरा वातावरण लाल, गुलाबी, पीला और हरे रंगों में रंग गया। इसके अलावा, जुलूस में कई आकर्षक झांकियां भी शामिल थीं।

इधर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के बंगले पर होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ होली के गीत गाए।

कांग्रेस विधायकों ने सुनाई फाग

पीसीसी चीफ के बंगले पर आयोजित होली मिलन समारोह में डबरा विधायक सुरेश राजे ने फाग गीत सुनाया। वहीं पृथ्वीपुर विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर ने होली गीत गाया। पूर्व विधायक और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी थिरकते नजर आए।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करें : संभागायुक्त

भोपाल निप्र। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने आगामी ग्रीष्मकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए भोपाल संभाग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को तत्काल प्रभाव से हैंडपंपों की मरम्मत और उनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने का आदेश दिया। इसके साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित नल- जल योजनाओं की गहन समीक्षा करने और नगरीय निकायों के अधिकारियों को पेयजल, परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए कहा गया है ताकि नागरिकों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े।

संभागायुक्त श्री सिंह ने सोमवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में समय -सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री विनोद यादव, राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता एवं सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी शासकीय स्कूलों में छात्रों के नेत्र परीक्षण के लिए शिक्षकों का जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया जाएगा जिससे प्रशिक्षित शिक्षक स्कूलों में प्रारंभिक नेत्र परीक्षण कर सकेंगे और आवश्यकतानुसार छात्रों को आगे की जांच के लिए संदर्भित कर सकेंगे।

श्री सिंह ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के तहत लंबित शिकायतों पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 100 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता और संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उन्होंने इस कार्य की दैनिक प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त संभागायुक्त श्री सिंह ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए रणनीति तैयार कर उस पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए हैं।

संभागायुक्त ने केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, पीएम जनमन योजना और धरती आभा योजना के तहत चल रहे हितग्राहीमूलक और अधोसंरचनात्मक कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने इन योजनाओं के तहत स्वीकृत और संचालित कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने और आगामी सप्ताह में इनकी विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

स्वास्थ्य अमला युद्धस्तर पर साफ-सफाई व्यवस्था में जुट जाए और दृश्य स्वच्छता बेहतर करें

भोपाल निप्र। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने स्वच्छ सर्वेक्षण के मापदण्डों अनुसार शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और वी.सी. के माध्यम से निर्देशित किया कि स्वास्थ्य अमला युद्धस्तर पर साफ-सफाई व्यवस्था में जुट जाए और विजिवल क्लीनेस (दृश्य स्वच्छता) को और बेहतर करें। निगम आयुक्त ने स्वास्थ्य अमले को जोन, वार्डों में घूम-घूमकर साफ-सफाई की निरंतर मॉनीटरिंग करने एवं सीटी वीटी का निरीक्षण कर उन्हें बेहतर बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने सेन्ट्रल वर्ज, साइड वर्ज व डिवाइडर की धूल, मिट्टी हटाकर बेहतर साफ-सफाई कराने तथा ग्रीन वेल्ट में पिकिंग कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने शहर भर से स्टीकर, पम्पलेट, पोस्टर, बैनर हटाकर शहर को इनसे मुक्त बनाने तथा पान, गुटके की पीक की धुलाई कराने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन ने सोमवार को स्वच्छ सर्वेक्षण के मापदण्डों अनुसार शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए लिंक रोड नं. 01 एवं 02, बोर्ड आफिस चौराहा, चेतक ब्रिज, गौतम नगर चौराहा, आईएसबीटी, रानी कमलापति स्टेशन, नर्मदापुरम मार्ग, बागसेवनिया, मिसरोद, सावरकर सेतु, अरेरा कालोनी, बांसखेड़ी, हबीबगंज थाना सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया और वी.सी. के माध्यम से निर्देशित किया कि स्वास्थ्य अमला युद्धस्तर पर साफ-सफाई व्यवस्था में जुट जाए और विजिवल क्लीनेस (दृश्य स्वच्छता) को और बेहतर करें। निगम आयुक्त ने स्वास्थ्य अमले को जोन एवं वार्डों में घूम-घूमकर साफ-सफाई की निरंतर मॉनीटरिंग करने तथा सीटी वीटी का निरीक्षण कर उन्हें बेहतर बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने सेन्ट्रल वर्ज, साइड वर्ज व डिवाइडर की धूल, मिट्टी हटाकर बेहतर साफ-सफाई कराने तथा ग्रीन वेल्ट में पिकिंग कराने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने शहर भर से स्टीकर, पम्पलेट, पोस्टर, बैनर हटाकर शहर को इनसे मुक्त बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने शहर के ओवर ब्रिज, दीवालों आदि स्थानों में गुटका, पान थूककर उसके सौन्दर्य को नष्ट करने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधितों पर कार्यवाही करने और पान, गुटके की पीक की धुलाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने रंगपंचमी पर जुलूस आदि के बाद तुरंत साफ-सफाई कराने, सी एंड डी वेस्ट उठवाने तथा निर्माणाधीन भवनों में ग्रीन नेट अनिवार्य रूप से लगवाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने मेट्रो के कार्य वाले क्षेत्रों में धूल, मिट्टी उठवाकर बेहतर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने दुर्गादास राठौर चौराहे के पास साफ-सफाई कर रहे स्वच्छता मित्र से बातचीत की और उसे निर्धारित गणवेश पहनने तथा साफ-सफाई के बाद भक्कू से कचरे की ढेरियां तुरंत उठाने की समझाइश दी।

अंतर्राष्ट्रीय मानवअधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के महेश सिनकर बने जिला अध्यक्ष

इंदौर बड़वानी/ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं नियंत्रण संगठन के इंदौर संभाग के संभागीय अध्यक्ष सतीश चंद्र व्यास जी की अनुशंसा से यह दायित्व क्षेत्र के जुझारू एवं कर्मठ मिलनसार नगर के प्रतिष्ठित सम्मानित महेश सिनकर जी को बड़वानी जिले का दायित्व देकर जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है इनकी नियुक्ति से संगठन और भी मजबूत प्रदान करेगा ऐसी आशा के साथ संगठन ने इन्हें दायित्व दिया है उनकी सक्रियता और लगन को देखते हुए संगठन ने उत्तराखंड के ऋषिकेश में *भारत गौरव सम्मान वर्ष 2022-23 मैं संसदीय बोर्ड के चेयरमेन और संगठन के सुप्रीमो एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मोहित नवानी जी द्वारा सम्मानित किया गया था उनके सम्मान से क्षेत्र का भी गौरव बढ़ा है।जिस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष केसी पांडे के द्वारा संगठन के संभागीय एवं प्रदेश के पदाधिकारी ने उनकी अनुशंसा की और इन्हें एक नई जवाबदारी का दायित्व मिला है । उनके कर को देखते हुए दायित सौंपने की खुशी पर क्षेत्र से आमजन के साथ-साथ उनके ईस्ट-मित्र सहित लोगों ने ढेर सारी बधाई दी।

बीयू की परीक्षाएं एक अप्रैल से, स्मार्ट वॉच-ब्लूटूथ मिला तो रद्द होगी परीक्षा

कोई विद्यार्थी आधे घंटे बाद बाहर जाता है तो दूसरी उत्तरपुस्तिका दी जाएगी

भोपाल निप्र। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की यूजी की प्रथम से तीसरे वर्ष की परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। प्रायोगिक परीक्षाएं 13 मार्च से शुरू कर दी गई हैं। बीयू के बीए, बीएससी, बीकाम, बीएससी (होम साइंस), बीए मैनेजमेंट, बीबीए, बीसीए, बीपीईएस के प्रथम वर्ष और तीसरे वर्ष की सैद्धांतिक परीक्षाएं एक अप्रैल से शुरू होंगी। वहीं पीजी की सेमेस्टर परीक्षाएं मई में आयोजित होंगी।

इन परीक्षाओं में करीब 1.80 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। प्रदेश के आठ जिलों में संबद्ध कालेजों के लिए इस बार परीक्षाओं के दौरान नकल पर रोक के लिए बीयू ने कड़े आदेश जारी किए हैं। अगर कोई विद्यार्थी नकल करते पकड़ाया या किसी के पास स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण पाए गए तो उत्तरपुस्तिका जब्त कर विवि को भेजी जाएगी और परीक्षा निरस्त होगी। इसके अलावा अगर परीक्षा शुरू होने के बाद कोई विद्यार्थी आधे घंटे बाद परीक्षा कक्ष से बाहर जाता है तो उसे दूसरी उत्तरपुस्तिका दी जाएगी। विवि ने परीक्षा के संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

परीक्षार्थी की तलाशी ली जाएगी: बीयू ने सभी कॉलेजों के प्राचार्य व केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा केंद्र पर हर परीक्षार्थी की तलाशी ली जाए। प्रतिबंधित सामग्री जैसे पुस्तकें, गाइड,मोबाइल, हस्तलिखी सामग्री,स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि को बाहर ही जमा करा ली जाए। इसे आलमारी में बंद किया जाएगा। यदि परीक्षा कक्ष में विद्यार्थी के पास नकल सामग्री प्राप्त होती है तो अनुचित साधन प्रतिवेदन फार्म पर जानकारी भरकर विद्यार्थी से हस्ताक्षर कराना है।

केंद्र कम बनाए जाएंगे ताकि निगरानी सख्ती से हो

बीयू इस बार नकल प्रकरण पर रोक के लिए उड़नदस्तों की टीम को तैनात किया है और विवि में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा।इसके माध्यम से परीक्षार्थियों की निगरानी की जाएगी। साथ ही अधिक निगरानी के लिए इस बार केंद्रों की संख्या कम की जाएगी। इससे सख्ती से निगरानी की जा सके। वहीं जिन केंद्रों पर सिर्फ 50 या 60 विद्यार्थी शामिल होते थे। उन केंद्रों को बंद किया जाएगा।

हिंदू नववर्ष संवत् 2082 का शुभारंभ 30 मार्च से

हिंदू नव वर्ष 2025 का राजा सूर्य, इस बार भयंकर गर्मी, जल संकट भी, इसे सिद्धार्थ संवत्सर के नाम से जाना जाएगा, सूर्य होगा राजा

भोपाल निप्र। हिंदू नववर्ष संवत् 2082 का शुभारंभ 30 मार्च से होगा। इसे सिद्धार्थ संवत्सर के नाम से जाना जाएगा। इसमें सूर्य की प्रधानता रहेगी। अर्थव्यवस्था, राजनीति, समाज, पर्यावरण पर अहम प्रभाव पड़ेगा। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया, हिंदू पंचांग में 60 संवत्सरों का चक्र है। यह 53वां है। इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा रविवार को है, इसलिए सूर्य को वर्ष का राजा माना है। यानी, देश में राजनीतिक निर्णयों का केंद्र दिल्ली होगी।

छह ग्रहों का योग: ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल के पंचागकार ने बताया, कालयुक्त और सिद्धार्थ नाम का संवत्सर होगा। फल सिद्धार्थ के अनुसार रहेगा, पूजन में कालयुक्त उच्चारण होगा। 30 मार्च को मीन राशि में सूर्य, बुध, शुक्र, शनि, राहु, चंद्र का योग है, जो संघर्ष कराता है। वर्ष प्रवेश कुंडली में 6 स्थान पाप ग्रह और चार शुभ ग्रहों के हैं। अत-परेशानी होगी। सिद्धार्थ ज्ञान वैराग्य में सहायक है।

प्रमुख ग्रहों का प्रभावः सूर्य (राजा) प्रशासन में कठोरता, राजनीतिक स्थिरता, अधिक गर्मी और प्राकृतिक परिवर्तन। सूर्य (मंत्री) साइबर अपराध बढ़ सकते हैं, लेकिन प्रशासनिक क्षमता में सुधार होगा। बुध (सस्येश) अच्छी वर्षा होगी, जिससे कृषि और अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी। चंद्र (धान्येश) भारत की निर्यात नीति को लाभ, कृषि उत्पादन में संतुलन। शुक्र धर्म और आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी, मंदिरों में भक्तों की भीड़ बढ़ेगी। बुध वनौषधि और समुद्री वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे, धातुओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव रहेगा शनि कुछ क्षेत्रों में अतिवृष्टि तो कुछ में सूखा रहेगा, अज्ञात संक्रामक रोग बढ़ सकते हैं। मंगल शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा, विदेशी मुद्रा भंडार प्रभावित हो सकता है। शनि (राजनीतिक प्रभाव) युद्धप्रिय राष्ट्रों में अस्थिरता बढ़ेगी, वहीं शांतिपूर्ण देशों के बीच कूटनीतिक समझौते होंगे।

वैज्ञानिक अविष्कार बढ़ेंगेः भोपाल के पं. ने बताया, वर्ष में सूर्य का प्रभाव अधिक रहेगा। इससे शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति होगी। वैज्ञानिक अविष्कार बढ़ेंगे। गर्मी की अधिकता रहेगी, रोहिणी का वास संधि में होने से खंडवृष्टि होगी लेकिन सिद्धार्थी संवत्सर में अन्न जल से पृथ्वी प्रसन्न रहती है। ऐसे में फसलें अच्छी होंगी। फलेश शनि होने से फलों की पैदावार प्रभावित होगी।

राजनीतिक दृढ़ता

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की भूमिका सूर्य के समान प्रभावशाली होगी। शासन में दृढ़ता और अनुशासन देखने को मिलेगा।

सूर्य प्रधानता के कारण स्वास्थ्य पर प्रभाव होगा

स्वास्थ्य प्रभावः जलजनित और त्वचा संबंधी रोग बढ़ेंगे।महंगाई कुछ हद तक नियंत्रित रहेगी। कृषि उत्पादन अच्छा रहेगा, किसानों को लाभ मिलेगा।ज्यादा गर्मी पड़ेगी, जिससे जल संकट और सूखे की स्थिति बन सकती है। कठोरता आएगी, न्यायिक और प्रशासनिक नीतियों में बदलाव संभव।

झाबुआ में शीघ्र आरंभ होगा मेडिकल कॉलेज

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शीघ्र ही झाबुआ में मेडिकल कॉलेज आरंभ किया जाएगा। इसका संचालन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वारा यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट के रूप में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलगुरू प्रोफेसर डॉ. राकेश सिंघई ने इस संबंध में मुख्यमंत्री निवास में भेंट कर चर्चा की।

कुलगुरू डॉ. सिंघई ने बताया कि झाबुआ में आरंभ होने वाले मेडिकल कॉलेज का संचालन इंजीनियरिंग कॉलेज के भवन में होगा और जिला चिकित्सालय झाबुआ को इससे संबद्ध किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से संबंधित आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कुलगुरू प्राफेसर डॉ. राकेश सिंघई ने उनकी स्वलिखित पुस्तक वक्रोक्ति भेंट की।

महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए शासन की योजनाएं संचालितः पटेल

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को खण्डवा की ग्राम पंचायत नर्मदानगर में मां रेवा उद्यान का लोकार्पण किया। उन्होंने मां नर्मदा की पूजा अर्चना कर चित्र पर माल्यार्पण भी किया।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आवास योजना के तहत जरूरतमंदों की मदद करना सरकार का मूलभूत कर्तव्य है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में राज्य में सर्वे किया गया था, जिसमें पूर्व में लगभग 27 लाख हितग्राहियों के नाम जोड़े गए थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि योजना के लिए तीन माह पहले फिर से सर्वे शुरू किया गया है, जिसमें पात्र हितग्राही नाम जुड़वा सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना के लिए पात्र हितग्राही का नाम छूटने नहीं दिया जाएगा। सर्वे पूरा होने

के बाद पात्र हितग्राहियों को पक्का आवास देने की कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएँ जैसे मकान, पानी, बिजली और गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए शासन की कई योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं महिलाओं के सम्मान व सशक्तिकरण की ओर अहम पहल हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि गैस कनेक्शन भी महिलाओं के नाम पर ही दिया जा रहा है।

वृद्धजनों के जीवन की भी चिंता सरकार कर रही है। कार्यक्रम से पहले मंत्री श्री पटेल ने ग्राम पंचायत नर्मदानगर परिसर में पौधरोपण कर त्रिवेणी, नीम, पीपल एवं बड़के पौधे लगाए। कार्यक्रम में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेडे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विधानसभा सदन में गूँजी निवास विधानसभा की जनता की आवाज

जननायक चैन सिंह वरकड़े ने सदन में उठाए जनता के मुद्दे

अनवर खान

मण्डला/ निवास विधानसभा के लोकप्रिय विधायक चैन सिंह वरकड़े, जो पिछले एक वर्ष से लगातार जनता के मुद्दों को विधानसभा सदन में उठा रहे हैं, ने एक बार फिर राज्य सरकार का ध्यान अपनी विधानसभा की समस्याओं की ओर आकर्षित किया। विधानसभा में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए, वरकड़े जी ने अपनी विधानसभा के विभिन्न मुद्दों को उठाया और सरकार की नाकामी को उजागर करते हुए प्रदेश सरकार से त्वरित कार्यवाही की मांग की।

विधायक चैन सिंह वरकड़े ने सदन में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, सड़क, बिजली, पानी और आदिवासी विकास जैसे प्रमुख मुद्दों पर सरकार के रवैये की कड़ी आलोचना की और जनता के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद की। विशेष रूप से निवास विधानसभा क्षेत्र में कृषि से जुड़ी समस्याओं का उल्लेख करते हुए, उन्होंने बरगी जलाशय से उदवहन सिंचाई योजना के तहत खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की। इस योजना के माध्यम से क्षेत्र के कृषि कार्यों में सुधार लाने और किसानों को सिंचाई की सुविधा प्रदान करने की आवश्यकता

जताई।

इसके अलावा, वरकड़े जी ने 1975 में निर्मित मझगांव जलाशय और अन्य जलाशयों और नहरों के रख-रखाव की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि इन जलाशयों और नहरों के रख-रखाव से क्षेत्र की पानी की समस्या हल हो सकती है, जो वर्तमान में गंभीर बन चुकी है। वरकड़े ने इस मुद्दे को उठाते हुए राज्य सरकार से इन जलाशयों और नहरों के मरम्मत के लिए त्वरित कदम उठाने की अपील की।

विधायक चैन सिंह वरकड़े ने विधानसभा में यह भी मुद्दा उठाया कि मंडला जिले के शिक्षा विभाग के अंतर्गत 400 स्कूलों की बदहाल बिल्डिंगों की मरम्मत के लिए शीघ्र कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यह स्कूल न केवल छात्रों के लिए असुरक्षित हो गए हैं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी की समस्या पर भी सदन का ध्यान आकर्षित किया।

प्रदीप जैन का बयान

जिला बनाओ संघर्ष समिति निवास के संयोजक प्रदीप जैन ने बताया कि निवास से जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को राहतगढ़ भेज दिया गया है, जबकि सिंचाई विभाग हटा दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि सिंचाई कैसे होगी। इसके साथ ही उन्होंने सिविल अस्पताल की घोषणा और राशि आवंटन की बात की, लेकिन निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने के लिए निवास के समीप औद्योगिक क्षेत्र की घोषणा की गई थी, लेकिन कार्यवाही अभी तक आगे नहीं बढ़ी है। प्रदीप जैन ने विधायक चैन सिंह वरकड़े के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे जनता के हित में हैं और सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। यह देखना दिलचस्प होगा कि इन मुद्दों पर सरकार कितनी शीघ्रता से कदम उठाती है और निवास विधानसभा की जनता को राहत प्रदान करती है।

निवास विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और बेरोजगारी की बढ़ती समस्याओं के मद्देनजर, चैन सिंह वरकड़े ने सरकार से त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने क्षेत्र में कई जलाशयों के मरम्मत और नए जलाशयों के निर्माण की योजना की सिफारिश की, ताकि क्षेत्र के लोगों को पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े। चैन सिंह वरकड़े का यह प्रयास इस बात का प्रतीक है कि जननायक न केवल अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, बल्कि अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सरकार को जवाबदेह बनाने का भी काम कर रहे हैं। विधानसभा में इन मुद्दों को उठाकर वे अपने क्षेत्रवासियों की आवाज को मजबूती से उठा रहे हैं।

डीआईजी मुकेश कुमार श्रीवास्तव और कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बालपुर में आयोजन स्थल का किया निरीक्षण

डिंडौरी-दुर्गेश बर्मन

डिंडौरी वीरांगना महारानी अवंती बाई के बलिदान दिवस पर बलिदान स्थल बालपुर में 20 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए बालाघाट रेंज के डीआईजी मुकेश कुमार श्रीवास्तव और कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। डीआईजी मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने सुरक्षा व्यवस्था, हेलीपेड,पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग सहित अन्य मानकों की जानकारी लेते हुए तत्सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने आयोजन स्थल की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, बिजली व्यवस्था, मंच की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग वैधनाथ वासनिक, एसडीओपी डिंडोरी केके. त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

थाना कोतवाली पुलिस की पशु तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

23 नग पड़ा एवं भैंस सहित एक 06 पहिया वाहन

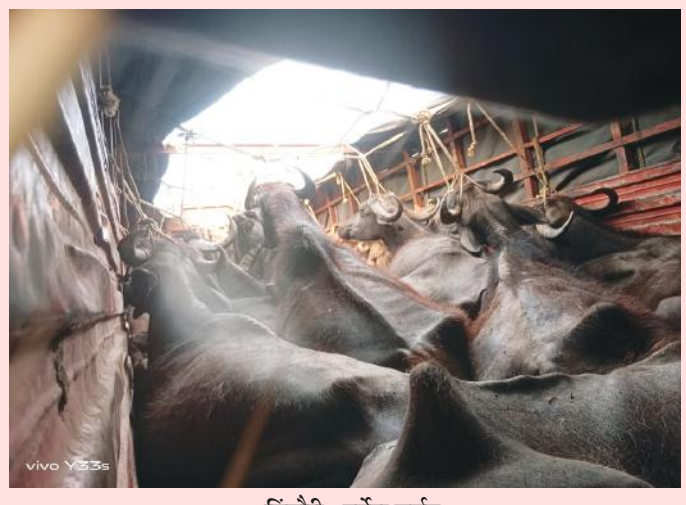

डिंडौरी- दुर्गेश बर्मन

डिंडौरी श्रीमान पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमती वाहनी सिंह द्वारा क्षेत्र में अवैध गतिविधियो जुआ सट्टा शराब पशु तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु थाना प्रभारियों को निर्देशित करने पर थाना प्रभारी कोतवाली दुर्गा प्रसाद नगपुरे द्वारा टीम गठित कर परसते पेट्रोल पंप के पास से अवैध पशु परिवहन करते एक 06 पहिया वाहन जप्त किया गया दिनांक 160325 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि एक लाल रंग का टाटा वाहन जिसका नंबर एम एच 40 सीडी 5203 जिसमे पड़ा एवं भैंस भरे हुए है जो वध करने हेतु मुड़की की और से डिंडोरी होते हुए जबलपुर की ओर जा रहा है जिसका पीछा कर परस्ते पेट्रोल पंप के पास पकड़ा गया गाड़ी का ड्राइवर गाड़ी छोड़ कर फरार हो गया गाड़ी को चेक करने पर गाड़ी के अंदर कुल 23 नग पड़ा एवं भैंस 15 नग भैंस 08 नग पड़ा कीमती 920000 एवं एक 06 पहिया वाहन 180000 कुल कीमती 270000 जप्त कर अपराध अज्ञात आरोपी चालक के विरुद्ध अपराध धारा सदर का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

विशेष भूमिका :-थाना प्रभारी कोतवाली दुर्गा प्रसाद नगपुरे, इपद्ध विपिन जोशी ,व्रद्द 36 रोहित पटेल, आर. सतेन्द्र डहेरिया,विनोद माहौर,हेमंत झरिया, अवशीष पटेल, अजय यादव,कैलाश द्विवेदी, अवनीश यादव कि महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में आए 32 आवेदन

मंडला जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने 32 आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए उनके समुचित निराकरण के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से संबंधित आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करें। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत ने पिछली जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरणों का यथोचित निराकरण कराएं। सम्पन्न हुई जनसुनवाई में नैनपुर निवासी अब्दुल खालिक कुरैशी ने श्रवण यंत्र, गुरारखेड़ा निवासी गणेश प्रसाद ने त्रुटि सुधार, केहरपुर निवासी अवधेश वाजपेयी ने वृद्धापेंशन, चिरईडोंगरी निवासी दीक्षा ने सर्पदंश की आर्थिक सहायता के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, श्री अरविंद सिंह, श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम हेल्पलाईन एवं समाधान ऑनलाईन के प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकरण करें - अपर कलेक्टर

मंडला अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन एवं समाधान ऑनलाईन के प्रकरणों की विस्तार से विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए उनका सकारात्मक निराकरण करें। सभी विभाग ग्रेडिंग सुधारने का प्रयास करें। अपर कलेक्टर ने 50 दिवस से लम्बित प्रकरणों पर फोकस करने के निर्देश दिए। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

कटनी के मुड़वारा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की मांग-एफओबी में लिफ्ट-एसकेलेटर और प्लेटफॉर्म पर टॉयलेट की जरूरत

कटनी । कटनी के मुड़वारा स्टेशन पर बुधवार को स्टेशन रेलवे सलाहकार समिति की पहली बैठक हुई। जबलपुर मंडल के निर्देश पर हुई इस बैठक में यात्री सुविधाओं को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

समिति ने फुट ओवर ब्रिज पर यात्रियों की सुविधा के लिए रैम्प, लिफ्ट और एसकेलेटर की मांग रखी। महिलाओं और बच्चों की मदद के लिए सहायता बूथ की स्थापना का प्रस्ताव भी दिया गया।

प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर टॉयलेट बनाने की मांग

प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर शौचालय की सुविधा नहीं है। यह एक बड़ी समस्या है क्योंकि अधिकतर ट्रेनें इसी प्लेटफॉर्म पर आती हैं। स्टेशन के चारों तरफ खुला होने से प्लेटफार्म 4 और 5 पर सुरक्षा और सफाई की समस्या है।

टिकट बुकिंग, पार्सल और रिजर्वेशन कार्यालय में वेंटिलेशन की समस्या है। खिड़कियां बंद होने से कर्मचारियों को परेशानी होती है। बैठक में जवाहर जसूजा, कल्पना द्विवेदी, धन्य कुमार गांधी, आरपी शर्मा, शिवमूर्ति राम,केके दुबे, राजकुमार यादव, जयदीप, जेके पांडे, शालिनी पाल उपस्थित रहे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली गई जिला निर्वाचन अधिकारियों की बैठक

मंडला मध्यप्रदेश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न विषयों पर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अक्षरशः पालन किया जाए। निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने तथा इपिक कार्ड जारी करने जैसे विषयों को गंभीरता से लें। डुप्लीकेट ईपिक कार्ड के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। बैठक में जिला एनआईसी कक्ष से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, श्री अरविंद सिंह, निर्वाचन अधीक्षक श्री अरूण कुशवाहा, सीके तिवारी सहित संबंधित शामिल हुए।

उपार्जन केन्द्रों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराएं - कलेक्टर

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित

मंडला / कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिला योजना भवन में समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि रबी सीजन का उपार्जन प्रारंभ है। इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करें तथा बुनियादी सुविधाएं जैसे छाया, पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। कृषकों के पंजीयन की गति बढ़ाएं। जिन कृषकों का पंजीयन हो चुका है, समानांतर रूप से उनका सत्यापन भी कराया जाना सुनिश्चित करें। उपार्जन केन्द्रों में तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था रखें ताकि मौसम परिवर्तन की स्थिति में खरीदे गए अनाज की सुरक्षा की जा सके। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले की रैंकिंग जारी होने में तीन दिवस का समय शेष है, इसलिए संतुष्टिपूर्वक निराकरण की गति तेज करें। 50 दिवस से अधिक वाली शिकायतों पर विशेष ध्यान दें। समाधान ऑनलाईन के संबंध में उन्होंने कहा कि इसे उच्च प्राथमिकता से लेते हुए निराकरण दर्ज कराएं। कलेक्टर ने कहा कि ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट को देखते हुए आवश्यक तैयारियाँ समय से पहले पूर्ण करें। जिन ग्रामों में पेयजल संकट की आशंका है वहां वैकल्पिक व्यवस्थाएं करें। जल जीवन मिशन के संबंध में समस्त एसडीएम फील्ड विजिट के दौरान नलजल, हेंडपंप तथा अन्य वैकल्पिक स्थितियों पर स्वयं नजर रखें। ई-ऑफिस प्रणाली के संबंध में उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से डिजिटाईजेशन होना है, इससे पहले शाखावार नस्तियों की जानकारी लेकर मास्टर डाटा तैयार करें। समस्त विभाग प्रमुख यह सुनिश्चित करें कि उनके सभी अधिकारी, कर्मचारियों की एम्पलॉयी आईडी समय पर बनाई जाए। बैठक में टीएल प्रकरण, समग्र से संबंधित शिकायतें, उच्च न्यायालय की अवमानना, डब्ल्यूपी सहित अन्य विषयों पर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सुप्रसिद्ध कवियों का जमावड़ा 21 मार्च को

अनवर खान ब्यूरो चीफ फतवा

मण्डला। नगर के महिष्मति घाट में 21 मार्च को होने वाले कवि सम्मेलन को लेकर सोम बीवीवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। यहां पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में बताई जा रही हैं। श्रतोओं के लिए विशेष बैठक इंतजाम किए गए हैं। वहीं कार्यक्रम स्थल को आकर्षण और भव्य बनानें की रणनीति तैयारी की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। काव्यांजलि माहिष्मति नगरी मंडला के द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मलेन में वरिष्ठ कवि विष्णु सक्सेना गीतकार, कवि सुदीप भोला (लपेटे में नेता फेम), कवयित्री सुमित्रा सरल श्रृंगार रस, कवि सुमित ओरछा सबरस मंच संचालक मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। यह सम्मेलन शाम 7 बजे पंचचौंकी महाआरती के पश्चात आरंभ होगा। देश के जाने माने कवियों का मंडला महिष्मति नगरी में पहली बार आगमन हो रहा है। कार्यक्रम की सम्पूर्ण तैयारी अंतिम चरण पर बताई जा रही हैं। कवि दृय द्वारा 21 मार्च की शाम 7 बजे मां नर्मदा की पंचचौंकी महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिलेवासियो से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने अपील की गई है।

फतवा समाचार पत्र की एजेंसी देना है

संपर्क करें पेपर ,विज्ञापन ,समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें
आपके अपने क्षेत्र के लिए
अनवर खान
ब्यूरो चीफ मंडल
जिला कार्यालय मंडल

फतवा समाचार पत्र की एजेंसी देना है

संपर्क करें पेपर ,विज्ञापन ,समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें
आपके अपने क्षेत्र के लिए
दुर्गेश बर्मन
ब्यूरो चीफ डिंडोरी
जिला कार्यालय डिंडोरी

दो सप्ताह के अंदर 312 बिगड़े हैन्डपम्पों का कराया गया सुधार

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई टीएल बैठक, जिला चिकित्सालय में अपने ड्यूटी टाईम में हर हाल में उपस्थित

सिंगरौली। जिले में आगामी गर्मी को देखते हुएं पेयजल के समुचित व्यवस्था हेतु कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के द्वारा मार्च के प्रारंभ से ही जहा ग्रामीण क्षेत्रो में पेयजल व्यवस्था हेतु लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग एवं नगरीय क्षेत्र में पेयजल की उलंब्धता हेतु नगर निगम आयुक्त निर्देश दिए गए है। तथा समय समय पर समीक्षा बैठक के दौरान प्रगति की जानकारी भी ली जाती है। जिसका परिणाम यह है कि 1 मार्च से 15 मार्च के भीतर जिलें में 312 बिगड़े हैन्ड पम्पों का सुधार कार्य कराया गया है। वही कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को इस आशय के निर्देश समय सीमा बैठक के दौरान दिए गए कि गिरदावरी पूर्ण कर फसलो का भौतिक सत्यापन कर समय सीमा के अंदर प्रतिवेदन दिया जाना सुनिश्चित किया जाएं।

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय में चिकित्सा अपने निर्धारित ड्यूटी टाईम में हर हाल में उपस्थित रहे। तथा प्रसव के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रसव चिकित्सालय में ही कराया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाएं तथा बिना किसी ठोस कारण के गर्भवाती महिलाओं को दूसरे चिकित्सालयो में रेफर नही किया जाए। इसकी समुचित मानीटरिंग भी करे। सीएम हेल्प लाईन के लंबित

शिकायतो की विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियो को निर्देश देते हुएं कहा कि तीन दिवस में 50 दिवस, 100 दिवस की लंबित शिकायतो का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। कलेक्टर ने सामाधान विंदु में प्राप्त शिकायतों का भी निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि अपने क्षेत्रो में जहा पेयजल की समस्या विगत वर्षो में उत्पन्न हुई है ऐसे ग्रामों को चिन्हित कर सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक,पटवारियों की बैठक आयोजित कर ऐसे ग्रामों में पेयजल की व्यवस्था कराने हेतु समुचित प्रबंध करे ताकि गर्मी के दौरान पेयजल की समस्या न होने पाए। कलेक्टर ने पीएचई के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए अपने स्टोर में पर्याप्त सख्या में पाईप, हैन्डपम्प सेट रखे। जहा पर पेयजल की अधिक समस्या हो रही है वहा पर प्राथमिकता के आधार पर हैन्डपम्प का खनन कराए। कलेक्टर ने जिलें में संचालित स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियो को निर्देश दिए कि मार्च माह के अंत तक शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करे।

कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश देते हुऐ कहा कि मुझे इस आशय की जानकारी मिल रही है कि नगरीय क्षेत्र में अधिकाश भवन बिना स्वीकृती के निर्माण कराए जा रहे है। जो नियमो के विपरीत है ऐसे भवन स्वामियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करे। बैठक के अंत में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियो को निर्देश दिए कि आने वाले त्योहारों के दौरान शांति एवं सुरंक्षा व्यवस्था बनी रहे इसके लिए पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्यवाही करते रहे। बैठक के दौरान एसडीएम सृजन बर्मा, राजेश शुक्ला, नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, जिला परिवहन अधिकारी बिक्रम सिंह राठौर, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, अधीक्षण यंत्री एमपीईबी आरपी मिश्रा, सीएमचओ एन.के जैन, उपायुक्त सहकारिता पी.के मिश्रा, एसडीओ वन विभाग एन.के त्रिपाठी सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग ने की अवैध शराब की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

सिंगरौली। कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशन मे एवं जिला आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम के मार्गदर्शन में वृत वैढ़न के अंतर्गत अवैध शराब के संग्रहण एवं विक्रय की सूचना मिलने पर आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब की बिक्री करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। तलाशी कार्यवाही दौरान सिपाही लाल पाल पिता छोटे लाल पाल उम्र 28 वर्ष ग्राम परसदेही थाना वैढ़न को ग्राम पिपरा में शासन पिपरा रोड पर सड़क के किनारे थाना वैढ़न से मोटरसाइकिल पर एक हरे रंग की प्लास्टिक की बोरी में 5 कार्टून जिसमे से 2 कार्टून देसी मदिरा प्लेन प्रत्येक कार्टून में 50 नग एवं 3 कार्टून में विदेशी मदिरा बीयर कुल 72 नग कुल 54 बीएल मदिरा ' बरामद कर 'मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)(क) एवम 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर मौके पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं जब्त वाहन मोटरसाइकिल को धारा 47(क)3 के तहत कब्जे लिया गया। उक्त आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से आरोपी को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया प्रकरण की विवेचना जारी है। -'कुल जब्ती 54 बीएएल जिसकी अनुमानित कीमत रु.16720 एवं वाहन की अनुमानित कीमत रु.30000 कुल कीमत रु. 46720 है। कार्यवाही के दौरान वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक एस. के.यादव,आबकारी आरक्षक बहादुर सिंह, अंकिता त्रिपाठी एवं नायक प्रकाश कुमार मिश्रा एवं सैनिक कमलभान का सराहनीय योगदान रहा।

छात्रा के आत्महत्या मामले में वॉर्डन पर लापरवाही का आरोप

रीवा। एक छात्रा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी जिस पर परिजनों ने बार्डन पर लापरवाही सामने आई है। बार्डन को नियमित छात्राओं की हाजिरी लेनी चाहिए थी लेकिन तीन दिन तक उसकी लाश फांसी में लटकती रही और बार्डन को पता नहीं चला। मेडिकल कालेज ने इस पूरे प्रकरण को जांच में लिया है।

बताया गया है कि छात्रा की आत्महत्या मामले में अब मेडिकल कालेज द्वारा जांच की जा रही है। सिवनी की नर्सिंग छात्रा सरोज परते ने अपने हॉस्टल में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। उसने होली में घर वालों को गांव आने से मना कर दिया था जिसकी वजह से वह होली में सिवनी नहीं गई थी और यहीं रुक गई। उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तीन दिन तक उसकी लाश फांसी में लटकती रही लेकिन वॉर्डन में इसका पता नहीं चला। जब उसकी लाश से दुर्गंध आने लगी तब बार्डन को जानकारी हुई। बताया गया है कि घर वालों ने भी बार्डन पर लापरवाही करने का आरोप लगाया था जिसको छुट्टी नहीं दी गई थी जिसकी वजह से उसने आत्महत्या की है। इसकी जानकारी उसने अपने पिता को फोन पर दी थी। इस पर घर वालों ने बार्डन पर लापरवाही करने का आरोप लगाया है। वहीं इस प्रकरण में बार्डन की लापरवाही सामने आ रही है।

जब उनको नियमित सभी छात्राओं की जानकारी रखनी थी तो आखिरी तीन दिनों तक उन्होंने उस छात्रा के बारे में जानकारी क्यों नहीं ली। जब पिता ने बार्डन को फोन कर बेटी के बारे में पूंछने के लिए फोन लगाया था तो उनको भी सही जानकारी नहीं दी थी जिसकी वजह से बार्डन पर घर वालों ने गंभीर आरोप लगाए है। उनके पिता विमललाल का आरोप था कि बार्डन द्वारा शुरू से ही गुमराह करने वाली जानकारी दी जा रही थी। जब हमने फोन लगाया तो हमको ही डांट रही थी।

निर्वाचन नामावली की शुद्धता एवं नाम परिवर्धन-निरसन के लिए राजनैतिक दलों के साथ हुई बैठक

सीधी। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलेश शर्मा की अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली एवं निर्वाचन प्रक्रिया आदि से संबंधित सुझाव आमंत्रित करने के लिए आयोजित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक में बीएलओ के माध्यम से वोटर आईडी कार्ड का वितरण, वोटर लिस्ट में सरनेम लिखे जाने, वोटर आईडी कार्ड को आधार से लिंक किए जाने आदि महत्वपूर्ण सुझाव आए। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने कानून ढांचे के अंतर्गत चुनावी प्रक्रियाओं को और अधिक मजबूत बनाने के राजनैतिक दलो से सुझाव आमंत्रित किए गए है। इसी क्रम में जिला स्तर पर सुझाव प्राप्त करने के लिए बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में प्राप्त सुझावों को संकलित कर आयोग को प्रेषित किया जाएगा।

इस अवसर पर सुझाव दिए गए कि वोटर आईडी कार्ड का वितरण पोस्ट आफिस के माध्यम से न कराकर बीएलओ से कराया जाएं जिससे सुविधाजनक तरीके से मतदाता को वोटरकार्ड प्राप्त हो सके। फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करते समय मतदाता के नाम के साथ सरनेम लिखने, वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड एवं समग्र से

लिंक करने तथा आयु एवं अन्य डाटा उसी से लिए जाने का सुझाव दिया गया जिससे वोटर आईडी में त्रुटि न हो। इसके अलावा मतदाता सूचियों के प्रकाशन के समय राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराई जाने वाली वोटर लिस्ट सीडी की अपेक्षा पेनड्राइव में दिए जाने का सुझाव भी दिया गया। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 1 जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अनुसार जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में 10 लाख 45 हजार 172 मतदाता सूची में शामिल है जिसमें 5 लाख 41 हजार 399 पुरुष मतदाता, 5 लाख 3 हजार 766 महिला मतदाता एवं 7 अन्य शामिल है। जिले का जेण्डर रेशियों 930.49 तथा ईपी रेशियो 58.08 प्रतिशत है। विधानसभा क्षेत्र चुरहट में 2 लाख 69 हजार 381 मतदाताओं में 1 लाख 39 हजार 763 पुरुष मतदाता, 1 लाख 29 हजार 616 महिला मतदाता एवं 2 अन्य तथा जेण्डर रेशियों 927.4 व ईपी रेशियो 57.97 शामिल है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र सीधी में 2 लाख 61 हजार 777 मतदाताओं में 1 लाख 35 हजार 127 पुरुष मतदाता, 1 लाख 26 हजार 647 महिला मतदाता एवं 3 अन्य तथा जेण्डर रेशियों 937.2 एवं ईपी रेशियो 56.38, विधानसभा क्षेत्र सिहावल में 2 लाख 57 हजार 254 मतदाताओं में 1 लाख 34 हजार 803 पुरुष मतदाता, 1 लाख 22 हजार 449 महिला मतदाता एवं 2 अन्य तथा जेण्डर रेशियों 908.4 एवं ईपी रेशियो 58.01 तथा विधानसभा क्षेत्र धौहनी में 2 लाख 56 हजार 760 मतदाताओं में 1 लाख 31 हजार 706 पुरुष मतदाता एवं 1 लाख 25 हजार 54 महिला मतदाता तथा जेण्डर रेशियो 949.5 एवं ईपी रेशियो 59.97 शामिल है। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी चुरहट शैलेश द्विवेदी, सहायक संचालक जनसंपर्क मुकेश मिश्रा सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में सीपीएम से सुंदर सिंह, भाजपा से अमित प्रधान, कांग्रेस से अखंड प्रताप सिंह, बीएसपी से रामचरण विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

एनसीएल की विस्थापन नीति के विरुद्ध लामबंद हुए लोग

सिंगरौली। मोरवा विस्थापन क्षेत्र में सरकारी भूमि, वन भूमि ,एग्रीमेंट भूमि पर वर्षो से घर बनाकर रहने वाले विस्थापित अपने हक़ की लड़ाई के लिए हुए सक्रिय॥ सरकारी भूमि पर निवासरत सैकड़ों लोगों ने उचित मुआवज़ा नहीं मिलने को लेकर ह्यूरुकी नीति के खिलाफ एनसीएल मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन कर अपने अपने मांग पत्र सौंप कर विरोध जताया है बता दें कि एनसीएल के जयंत एवं दुधीचुआ परियोजना के विस्तार को लेकर चल रहे भू अर्जन की प्रक्रिया में बीते दिन एनसीएल द्वारा जारी बुकलेट में शासकीय भूमि पर बसे लोगों को उपेक्षित करने पर एनसीएल की भेदभाव नीति के विरोध में 17 मार्च सोमवार को सैकड़ों विस्थापित एनसीएल मुख्यालय पहुंचकर मांग पत्र सोपा है यह आज कोई पहला दिन नहीं है सरकारी भूमि, एग्रीमेंट भूमि, वन भूमि पर मकान बनाकर रह रहे लोगों ने करीब 15 दिन से लगातार एनसीएल मुख्यालय पहुंचकर मांग पत्र सौंपते नजर आ रहे हैं एनसीएल के विस्थापन नीति से असंतुष्ट विस्थापितों में बड़ी संख्या में महिलाएं, एवं पुरुष एनसीएल मुख्यालय पहुंच अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं विस्थापितों द्वारा बताया गया कि शासकीय भूमि/वन भूमि/ एग्रीमेंट की भूमि पर घर बनाकर निवसरत परियोजना प्रभावित परिवारो को भी उचित प्रतिकर विस्थापन पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन लाभ दिलाए जाने व प्रमाणित बुकलेट के माध्य से इसकी जानकारी साझा किए जाने की मांग की गई है। अभी जारी बुकलेट में शासकीय भूमि, वन भूमि, अनुबंध की भूमि पर बिना किसी धारणाधिकार के घर बनाकर निवासरत परियोजना प्रभावित परिवारो को समावेशित नही गया है।जबकि परियोजना प्रभावित परिवार पिछले कई वर्षो से शासकीय भूमि,वन भूमि, एग्रीमेंट भूमि पर मकान बनाकर रह रहे हैं विस्थापितों द्वारा बताया गया कि जयंत एवं दुधीचुआ परियोजनाओं के विस्तार में हमारे आवसी भवनो का भी अधिग्रहण हो रहा किंतु इस बुकलेट में ऐसे कुटफम्बो को मिलने वाले प्रतिकर विस्थापन पुनर्वास एवं पुर्व्यस्थापन लाभ को समावेश नही किया गया है।

आरएण्डआर पालिसी 2012 मध्य प्रदेश आदर्श पुनर्वास नीति 2002 एवं तमाम राज्यों की पुनर्वास नीतियों में विस्थापित कुटुम्ब की परिभाषमें ऐसे कुटुंबो को समाहित किया गया है व उनको मिलने वाले प्रतिकर तथा पुनर्वास एवं पुनर्व्यस्थापन लाभो का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इस मौके पर मुख्य रूप से इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश गुप्ता, रंजीत शर्मा, बंटी सिन्हा, करुणा विश्वकर्मा, उषा साह, सुशीला सिंह शिवानी आदि उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक से लंबित प्रकरणों का निराकरण करें: प्रतिभा पाल

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। साथ ही फरवरी माह की शिकायतों का भी संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं। पीएचई विभाग, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विकासखण्डवार शिविर लगाकर प्रकरणों का निराकरण कराएं। कार्यपालन यंत्री पीएचई हैण्डपंपों के सुधार एवं बंद नलजल योजनाओं को चालू करने से संबंधित शिकायतों पर तत्परता से कार्यवाही करें। सभी विकासखण्डों में अभियान चलाकर बंद हैण्डपंपों को चालू करने तथा बंद नलजल योजनाओं को शुरू कराने के प्रयास करें। सभी विकासखण्डों में पर्याप्त मात्रा में हैण्डपंपों के राइजर पाइप उपलब्ध करा दें। जिले की हर बसाहट में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। पेयजल व्यवस्था के लिए विकासखण्ड और जिला स्तर पर बनाए गए कंट्रोल रूम में पेयजल से जुड़ी सूचना मिलने पर तत्परता से कार्यवाही करें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अग्रणी बैंक प्रबंधक स्वरोजगार योजनाओं के लंबित प्रकरणों की बैंकवार सूची बनाएं। स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को 25 मार्च को आयोजित हो रहे युवा संगम मेगा रोजगार मेले में ऋण राशि का वितरण कराएं। अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल बिजली बिलों से संबंधित प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा जिला प्रबंधक सहकारी बैंक धान उपार्जन में शेष बचे किसानों का तीन दिवस में भुगतान सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में जल संरक्षण के कार्य तत्काल शुरू करने की आवश्यकता है। समग्र स्वच्छता मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में कचरे के पृथक्करण एवं संग्रहण के लिए ग्राम पंचायतें ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत पंजीकृत स्वसहायता समूहों से अनुबंध करें।

मंत्री राधा रविद्र सिंह का क्षेत्रवासियों ने किया अभिवादन

जिला सिंगरौली अंतर्गत स्वीकृत मार्गों की सूची

क्र.	विधानसभा क्षेत्र	मार्ग का नाम	वास्तविक तंबाई (कि.मी)	लागत (लाख में)	आवश्यक अनुदान (रूपये में)
1.	चितरंगी	बगैया से बगैया बस्ती पहुंच मार्ग	3.00	234.00	1000.00
2.	चितरंगी	दुधमनिया से गवारदेई पहुंच मार्ग	2.20	172.00	1000.00
3.	चितरंगी	गोरवी मेन रोड से मुहेर पहुँच मार्ग	1.20	100.00	1000.00
4.	चितरंगी	सिहावल (बघोर बीछी) खेरपुर से बीछी बगदरा गोपना पडरी गेट तक मार्ग	56.60	17000.00	1000.00
5.	चितरंगी	ग्राम पंचायत पड़रीखुर्द जंगल चौकी से गुजरहट घाट होते हुए फुटहडवा पहुंच मार्ग तक	8.00	800.00	1000.00
6.	चितरंगी	सिहावल (बघोर बीछी) खेरपुर से बीछी बगदरा गोपला पडरी गेट तक मार्ग	45.20	11300.00	1000.00
7.	चितरंगी	चितरंगी से चितावल तमई झरकटा बरवाडीह (घोरावल) उ.प्र. सीमा तक	5.00	6000.00	1000.00

चितरंगी/ विधान सभा के इन मार्गों की स्वीकृति होने एवं बजट में जोड़े जाने पर माननीय राज्य मंत्री श्री मती राधा रविंद्र सिंह जी को पूरे विधान सभा वासियों की तरफ से ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं बधाई।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में सुझाव एवं समस्याओं पर हुआ मंथन

रीवा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन से संबंधित सुझाव दिए तथा समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने ई रोल में मतदाताओं को विधिवत सूचना देने तथा डुप्लीकेट मतदाताओं के शत प्रतिशत नाम हटाने की बात कही ताकि मतदाता सूची पूर्णत:-शुद्ध रहे। बैठक में वोटर आईडी को आधार से लिंक कराने, मतदाता प्रतिशत बढ़ाने तथा पोस्टल बैलेट की प्रक्रिया को सरलीकृत करने का सुझाव दिया गया। इस अवसर पर एक देश एक निर्वाचन का भी सुझाव प्राप्त हुआ साथ ही महिला मतदाताओं के नाम अनवरत रूप से मतदाता सूची में जोड़े जाने की बात कही गई।राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मतगणना के साथ प्रत्येक राउण्ड में रेण्डमली एक व्ही व्ही पैट की गणना कराने तथा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान की गई शिकायतों का तत्काल निराकरण करने का सुझाव दिया। सीमावर्ती राज्य के मतदाताओं के नाम परीक्षण कराकर जिले की मतदाता सूची से हटाने तथा माडल बूथ बनाकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देने संबंधी सुझाव बैठक में दिए गए।

फतवा समाचार पत्र की एजेंसी देना है

संपर्क करें :- सिंगरौली क्षेत्र के लिए पेपर, विज्ञापन ,समाचार,एजेंसी हेतु संपर्क करें

सलीम खान ब्यूरो चीफ
कार्यालय पोस्ट ऑफिस रोड सिंगरौली

फतवा समाचार पत्र की एजेंसी देना है

संपर्क :- पेपर, विज्ञापन, समाचार,एजेंसी हेतु संपर्क करें सिंगरौली क्षेत्र में

प्रेम सोनी
प्रतिनिधि सिंगरौली

खनिज प्रबंधन में डिजिटल युग की नई शुरुआत, 2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक 11,581 करोड़ का खनिज राजस्व अर्जित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पारदर्शी खनन नीति, ई-नीलामी, डिजिटल निगरानी और पर्यावरण-संवेदनशील खनन रणनीतियों को अपनाकर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नए आयाम दिए हैं।

खनिज संसाधनों के सुव्यवस्थित उत्खनन के चलते बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ के खनिज राजस्व में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के गठन के समय की तुलना में खनिज राजस्व में 30 गुना वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 13,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और 2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक ही 11,581 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। यह पारदर्शी खनन नीति और प्रभावी प्रशासन का परिणाम है। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी सफलतापूर्वक की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की निलामी की गई है।

भारत सरकार द्वारा देश के आर्थिक एवं सामरिक विकास को ध्यान में रखते हुए क्रिटिकल एवं सामरिक महत्व के खनिजों के लिए राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई है। इस के अनुरूप प्रदेश में विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 से ही क्रिटिकल एवं सामरिक महत्व के खनिजों के अन्वेषण / खोज पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके तहत 56 अन्वेषण परियोजनाओं में से 31 परियोजनाओं अंतर्गत क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स पर कार्य किये जा रहे है। प्रदेश में अब तक 10 क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स ब्लॉक्स जिसमें लिथियम का 1, स्वर्ण का 3, निकल, क्रोमियम का 2, ग्रेफाइट का 2 ग्लूकोनाइट के 2 मिनरल ब्लॉक की नीलामी की गई है। देश में पहली बार खनिज लिथियम ब्लॉक

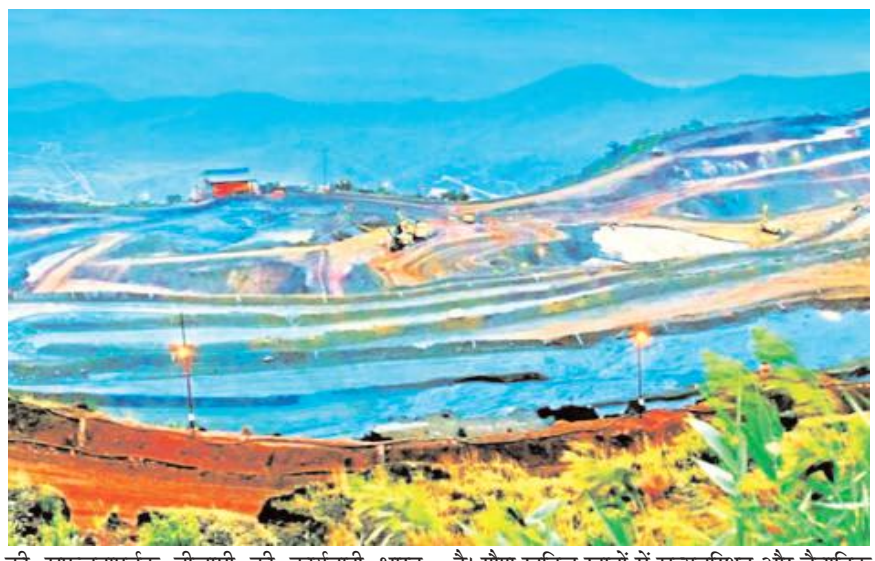

की सफलतापूर्वक नीलामी की कार्यवाही भारत सरकार द्वारा की गई है जिसके तहत् जिला कोरबा के कटघोरा लिथियम ब्लॉक को मेसर्स साउथ मायकी मायनिंग कंपनी को 76 प्रतिशत प्रीमियम राशि पर आबंटित किया गया है। राज्य के सुकमा एवं कोरबा जिले में भी लिथियम अन्वेषण कार्य किया जा रहा है जिसमें लिथियम के भण्डार पाये जाने की पूर्ण संभावना है। बैलाडीला क्षेत्र भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क भंडारों में से एक है। यहां तीन नए लौह अयस्क ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया जारी है, जिसे मार्च 2025 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा कांकेर जिले के हाहालद्दी लौह अयस्क खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए खनन क्षेत्र को अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक रूप से संचालित करने के लिए सरकार ने कई नई पहल की हैं। सेटेलाइट इमेजरी और माइनिंग सर्विलियेंस सिस्टम के माध्यम से अवैध खनन की निगरानी की जा रही है। गौण खनिज खानों में सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक पद्धति से खनन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार बेहतर कार्य करने वाले पट्टेधारियों को 'स्टार रेटिंग' प्रणाली के तहत प्रोत्साहित कर रही है।

खनिज राजस्व का एक बड़ा हिस्सा प्रदेश के सामाजिक विकास में निवेश किया जा रहा है। जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1,673 करोड़ रुपये की निधि प्राप्त हुई है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और कौशल विकास सहित 9,362 विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हो रहा है। राज्य सरकार ने चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क और ग्रेफाइट सहित कुल 13 खनिज परियोजनाओं में अन्वेषण कार्य शुरू किया है। प्रारंभिक सर्वेक्षणों में चूना पत्थर के 283 मिलियन टन, लौह अयस्क के 67 मिलियन टन और बॉक्साइट के 3 लाख टन भंडार का अनुमान लगाया गया है। स्वर्ण, ग्रेफाइट और ग्लूकोनाइट जैसे खनिजों की खोज भी की जा रही है, जिससे राज्य के खनन क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, सूरजपुर जिले के जाजावल क्षेत्र में यूरेनियम ब्लॉक के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। कोल बेड मीथेन पूर्ववर्ती कोरिया जिले में वेदांता लिमि. एवं ऑईलमैक्स को पेट्रोलियम अन्वेषण लायसेंस स्वीकृत किया गया है। मैंगनीज ओर इंडिया लि. (मोईल) द्वारा सीएमडीसी के साथ प्रदेश में प्रथम बार बलरामपुर क्षेत्र में खनिज मैगनीज का भंडार चिन्हित किया गया है। मुख्य खनिजों के लिए अन्वेषण हेतु केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की स्थापना की गई है। इसी तर्ज पर खनिज विभाग द्वारा राज्य के गौण खनिजों के व्यवस्थित विकास एवं अन्वेषण के लिए राज्य खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की स्थापना की योजना पर कार्य किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से छत्तीसगढ़ देश के समृद्ध राज्यों में से एक है। कोयला, लौह अयस्क, चूना पत्थर, बॉक्साइट, स्वर्ण, निकल, क्रोमियम और प्लेटिनम समूह के तत्व सहित कुल 28 प्रकार के खनिजों की प्रचुरता ने इस राज्य को देश के खनन क्षेत्र में एक अग्रणी भूमिका में ला खड़ा किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की पारदर्शी नीतियों, सतत विकास की रणनीतियों और कुशल प्रशासनिक प्रयासों के चलते छत्तीसगढ़ भारत के अग्रणी औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। खनिज संपदा के माध्यम से प्रदेश न केवल आर्थिक मजबूती प्राप्त कर रहा है, बल्कि हरित और सतत विकास की दिशा में भी अग्रसर हो रहा है। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध खनिज संपदा और रणनीतिक पहल के साथ भारत के माइनिंग हब के रूप में अपनी पहचान और अधिक सशक्त करेगा।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांचने तकनीकी अधिकारियों को मिल रहा प्रशिक्षण

रायपुर । राज्य में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नॉन-डिस्टैऊक्टिव टेस्ट उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिससे संरचनाओं की मजबूती और विश्वसनीयता की जांच बिना किसी नुकसान के की जा सकती है। इन्हीं अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी और उपकरणों के संचालन में दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन के अधिकारियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 17 मार्च से नवा रायपुर स्थित इंद्रावती भवन के प्रथम तल पर स्थित मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) में दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 19 मार्च तक चलेगा।

मुख्य तकनीकी परीक्षक आर. पुराम ने बताया कि संगठन द्वारा लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य निर्माण कार्यों से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता एवं भौतिक प्रगति की जांच कर सामान्य प्रशासन विभाग को प्रतिवेदन प्रेषित किया जाता है। प्रशिक्षण में एनडीटी विशेषज्ञों द्वारा अत्याधुनिक जांच उपकरणों के संचालन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि नॉन-डिस्टैऊक्टिव टेस्टिंग ऐसी तकनीक है, जिसके माध्यम से किसी भी निर्माण सामग्री या संरचना की मजबूती, गुणवत्ता और स्थायित्व की जांच की जाती है, बिना उसे कोई नुकसान पहुंचाए। इस तकनीक का उपयोग विशेष रूप से सड़क, पुल, भवन और अन्य संरचनाओं की जांच के लिए किया जाता है। प्रशिक्षण में अल्ट्रासोनिक पल्स वेलासिटी, ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार , डिजिटल रीबाउंड हैमर टेस्ट, प्रोफोमीटर टेस्ट, टोमोग्राफी जैसे प्रमुख उपकरणों के संचालन की तकनीक सिखाई जा रही है। इन उपकरणों की मदद से कंक्रीट की मजबूती, अंदरूनी दरारें, नमी की मात्रा, संरचना में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता और संभावित कमजोरियों की पहचान की जाती है। इस प्रशिक्षण से संगठन के अधिकारियों को आधुनिक जांच तकनीकों की समझ विकसित होगी, जिससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को और अधिक प्रभावी रूप से परखा जा सकेगा।

एमसीबी भाजपा के तीन नेता पार्टी से हुए निष्कासित

विगत नगरी निकाय चुनाव में पार्टी विरोधी कार्य करने वाले जमील शाह, इंद्रभान, सुमिला को पार्टी ने किया निष्कासित

पार्टी ने दिया कार्यकर्ताओ को दिया कड़ा संदेश

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में अनुशासन तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए जिले के तीन नेताओं को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। यह फैसला उन नेताओं पर लगाया गया, जिन्होंने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़कर अनुशासनहीनता की थी। प्रदेश भाजपा कार्यालय से जारी आदेश संख्या 2615, 2616, 2617 , दिनांक 17 /03/2025 के तहत, जमील शाह, इंद्र कुमार पटेल और सुमिला राय को तत्काल प्रभाव से पार्टी से बाहर कर दिया गया। इन सभी नेताओं ने मनेन्द्रगढ़ नगरपालिका, लेदरी नगर पंचायत, खोंगापानी नगर पंचायत चुनाव में पार्टी लाइन के विरुद्ध जाकर बगावत की थी। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री जगदीश राम रोहड़ा ने यह आदेश जारी किया। आदेश में साफ तौर पर कहा गया कि अनुशासन भंग करने वालों को भाजपा में कोई स्थान नहीं मिलेगा।

पार्टी का कड़ा संदेश-इस निष्कासन को भाजपा की आंतरिक सख्ती और अनुशासनप्रियता के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी ने यह साफ कर दिया है कि जो भी संगठन की नीतियों से हटकर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को तरजीह देगा, उसे पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, यह फैसला भाजपा में अनुशासन कायम रखने के लिए लिया गया है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की सफलता के लिए अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

ब्लू बुक के अनुरूप कार्य पूर्ण कर 27 तारीख तक दें रिपोर्ट

बिलासपुर। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी अवनीश शरण ने प्रधानमंत्री जी के 30 मार्च के मोहभट्ठा, जिला बिलासपुर प्रवास को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें प्रधानमंत्री जी के प्रवास प्रोटोकॉल (ब्लू बुक) के अनुरूप दायित्व सौंपकर 27 तरीख तक कार्यपूर्णता प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है। जारी विभिन्न आदेशो के अनुसार डीएफओ को मांग के अनुरूप बैरिकेडिंग के लिए पर्याप्त मात्रा में बांस, बल्ली की व्यवस्था करना, कार्यक्रम स्थल, पार्किंग एवं हेलीपेड के आस-पास मधुमक्खी के छत्ते को हटाने एवं पेड़ों की छटाई की व्यवस्था करना तथा जीव जन्तुओं, सर्प आदि से सुरक्षा हेतु आवश्यक कार्रवाई करने की जवाबदारी सौंपी गई है। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग क्रमांक एक एवं दो को सुरक्षा मानकों के अनुरूप मंच, हेलीपेड, ग्रीन रूम, सेफ हाऊस, बैरिकेडिंग, पण्डाल, डोम एवं उपयुक्तता तथा सुरक्षा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना, कार्यक्रम स्थल हेलीपेड स्थल तथा पार्किंग में बेरिकेडिंग का कार्य सुनिश्चित करना तथा सभी हेलीपेड के अक्षांश एवं देशांतर की जानकारी प्रस्तुत करना तथा समस्त सर्किट हाऊस में आवश्यक मरम्मत व साज-सज्जा कर तैयार करना होगा। सर्किट हाऊस बिल्हा को अति विशिष्ट व्यक्ति के अनुरूप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग विद्युत यांत्रिकी को कार्यक्रत स्थल में लगाये गये माईक, साउण्ड पॉवर बैक अप सहित एवं विद्युत व्यवस्था की जांच कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप माईक/साउण्ड एवं विद्युत व्यवस्था करना और उपयुक्तता एवं सुरक्षा प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना। अधीक्षण यंत्री एवं कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग को निर्बाध गति से विद्युत संचालन की व्यवस्था, विद्युत लाईन का रख-रखाव, क्षमता अनुरूप जनरेटर की व्यवस्था, बिद्युत लाईन के आस-पास आने वाले पेड़ों की कटाई-छटाई, विद्युत व्यवस्था की जांच कर सुरक्षा मानकों के अनुरूप विद्युत व्यवस्था किये जाने का प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना होगा। स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ को मानक अनुरूप एम्बुलेंस एवं मय चिकित्सा दल सहित उपलब्ध कराना, आपात कालीन चिकित्सा हेतु बेस चिकित्सालय की व्यवस्था एवं सिम्स हास्पिटल में चिकित्सा व्यवस्था को सुनिश्चित कराना, व्हीआईपी प्रवास के दौरान लिबरी ड्यूटी लगाना एवं व्हीआईपी के लिए खाद्य सामग्री गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना, व्हीव्हीआईपी चिकित्सा हेतु अपोलो अस्पताल में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराना होगा।

मोबाईल मेडिकल यूनिट से स्वच्छता दीदीयों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

भूपेंद्र सिंह गंभीर

एमसीबी/18 मार्च 2025- नगरीय प्रशासन व विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत नगर निगम चिरमिरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों का निशुल्क इलाज किया जा रहा है। यह सेवा प्रतिदिन सुबह 08 बजे से शाम 03 बजे तक 02 मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों के द्वार तक पहुंच रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल पर झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की पहल सरकार के द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में विगत दिवस नगर के गेल्हापानी में मोबाइल मेडिकल यूनिट से डोर टू डोर सफाई कार्य में कार्यरत स्वच्छता दीदीयों का स्वास्थ्य परीक्षण कैंप के माध्यम से किया गया।

जिसमें 25 स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें थायराइड टेस्ट, कैल्शियम टेस्ट, सीबीसी टेस्ट, हीमोग्लोबिन, शुगर, विटामिन डी-03 एवं बी-12 तथा ब्लड टेस्ट कर निःशुल्क दवाई वितरण किया गया। इस संबंध में नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला ने बताया कि नगर निगम में कार्यरत स्वच्छता कर्मचारियों व स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ्य के परीक्षण की जांच समय-समय पर की जाती है और मोबाईल मेडिकल यूनिट का निरीक्षण भी समय-समय की जाती है। आयुक्त आचला ने बताया कि प्रतिदिन मोबाईल मेडिकल यूनिट की वाहन अलग-अलग स्थानों पर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवा का वितरण भी किया जाता है।

भ्रष्टाचार और बदहाली की मार झेल रहा मनेन्द्रगढ़ रेल्वे परिक्षेत्र

रेल्वे की भूमि बढ़ता अतिक्रमण, परिक्षेत्र में पसरी गंदगी, कम रोशनी वाली एलईडी, शौचालय पर ताला बंद

भूपेंद्र सिंह गंभीर

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़- मनेंद्रगढ़ रेल्वे का सम्पूर्ण परिक्षेत्र 2020 से आज 2025 के मार्च तक धीरे -धीरे भ्रष्टाचार और बदहाली के भेंट चढता जा रहा है कहने को तो रेलवे विभाग अपनी कार्यकुशलता में कोई कोताही न करने के लिए जाना चाहता है, मगर मनेन्द्रगढ़ रेलवे आज परिक्षेत्र का ये आलम है कि जहां भी निगाह जाती है बस मानो ऐसा प्रतीत होता हैं कि ऊपर से नीचे तक सभी लोग केवल दस्तवेजो में ही इस परिक्षेत्र को अपडेट करके अपने जोनल अधकरियो को भर्मित कर के वह-वाही बटोरने में लगे है।

मनेन्द्रगढ़ डिवीज़न में बैठे रेलवे के अधिकारियों की नजरों के सामने ही कई रेल्वे लाइनों के समीप धीरे-धीरे अवैध अतिक्रमियों के द्वारा कब्जा कर कॉलोनीया विकसित कर दी गई है, इन अधिकारियों इस अवैध कब्जे की जानकारी अखबारों छपती खबरों के माध्यम से और कई शिकायतें मिलने पर भी आज तक कोई सकारात्मक कार्यवाही न करते हुए,बल्कि इन अवैध क़ब्जाधियो को नोटिस देकर इनसे मोटी रकम वसूल करके छोड़ दिया गया ताकि ऊपर से दबाओ आने पर नोटिस की

कार्यवाही बताकर आलाधिकारियों से बचा जा सके।

रेल्वे स्टेशन के मुख्य द्वार के सामने पौधों की जगह ले ली, सुखी घांसो ने: इसी क्रम में रेलवे आने वाले यात्रियों के मन मोहने के लिए रेलवे स्टेशन के मुख्यद्वार के सामने एवम बगल में बने पार्क में पार्क में फूल-पौधों की जगह लंबी-लंबी सुखी घांस लगा रखी है जिन्हें देखकर ऐसा लगता है किसी बीहड़ के सफर पर जा रहे है। ÷वहीं आलाधिकारियों को स्वागत फूलों से और यात्रियों का सुखी घांस से÷ किया जा रहा है।

लाखो की लागत से बने रेल्वे स्टेशनों पब्लिक शौचालय पर है,ताला बंद: इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ रेल्वे डिवीज़न के द्वारा आने वाले यात्रियो एवं आमजनमानस के लिए लाखों रुपये खर्च करके मनेन्द्रगढ़ रेल्वे स्टेशन के सामने पब्लिक टॉयलेट बनवाया है,जब से इसका निर्माण हुआ है तब से लेकर आज तक इसका इस्तेमाल नही हुआ बल्कि इस टॉयलेट के बाहर भिखारी सोते है,आज भी इस टॉयलेट मे ताले लटके हुए है और बिना इस्तेमाल के ये भी धीरे धीरे उजाड़ होता जा रहा है। इससे साफ प्रतीत होता है केवल इस पब्लिक टॉयलेट को बनाकार पैसे की बंदर बाट की गई है।

रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर खम्बो में है एलईडी लाइट, पर ये जल रही दिये जैसी: इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ स्टेशन के लिए जाने वाली वो सड़क जिस पर यात्रा पर आने-जाने वाले यात्रियों एवं आम राहगीरों के लिए रेल्वे विभाग ने इन सड़कों के बाजू में लगे खंबो पर दिए के समान जलने वाली एलईडी लाइट लगा रखी है, जिससे इस सड़क पर अंधेरा बना रहता है जिसके कारण यात्रियों एवं राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना रोजाना करना पड़ रहा है। जब कि इन्ही यात्रियों से रेलवे कमाई कर अपनी जेब भर रहा है। जब कि इसके संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों इस कि शिकायत कई बार मिली है, पर अधिकारियों ने आज तक कोई दिलचस्पी नही दिखाई है।

रेलवे कॉलोनियो के आगे-पीछे आजु-बाजू पसरी गंदगी और झड़ीझंकार: इसी क्रम में रेलवे कर्मचारियों की कॉलोनियो की नालियों में गंदगी पसरी हुई और आजू बाजू बड़ी बड़ी झाडिझाँकर उग-आए है,एहि हाल ऑफिसों, रेल्वे पार्को, रेल्वे स्टेशन जाने वाली सड़को के बाजुओं पर पड़ी रिक्त भूमि पर यही हाल है जिसके कारण इन जगहों पर जहरीले साँपो एवं अन्य जहरीले जीवों का बसेरा हो गया है साथ ही बीमारी फैलने मच्छर, कीड़े मकोड़ो से लोग परेशान है।

क्या इस बिजनेसमैन को डेट कर रहीं हैं शनाया कपूर?

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर और उनकी पत्नी महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही हिंदी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। आगामी फिल्म के सात वह अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। सोशल मीडिया के दावों की मानें तो शनाया मुंबई के एक बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं।

बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर और उनकी पत्नी महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही हिंदी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। आगामी फिल्म के सात वह अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी सुर्खियों में बनी हुई हैं। सोशल मीडिया के दावों की मानें तो शनाया मुंबई के एक बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं।

इस बिजनेसमैन को डेट करने की अटकलें- दावों के मुताबिक शनाया इन दिनों करण कोठारी को डेट कर रही हैं। दोनों की मुलाकात लॉस एंजिल्स में पढ़ाई के दौरान हुई थी। उस समय करण अपनी एक स्टार्टअप कंपनी चलाते थे। इन अफवाहों को तब और जोर मिला, जब दोनों ने अपने इंस्टाग्राम पर मालदीव की छुट्टियों से एक जैसी अंडरवॉटर तस्वीरें साझा कीं। इससे लोगों के अटकलें लगाना का सिलसिला और भी ज्यादा बढ़ गया।

कौन हैं करण कोठारी?- करण एक बड़े बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता अविनाश कोठारी कोठारी फाइन ज्वेल्स नाम की मशहूर ज्वेलरी कंपनी के मालिक हैं। खास बात यह है कि शनाया पहले इस ब्रांड के लिए मॉडलिंग कर चुकी हैं। इससे पता चलता है कि दोनों परिवारों के बीच पहले से अच्छे रिश्ते हैं। करण भले ही लाइमलाइट से दूर रहते हों, लेकिन उन्हें कई बॉलीवुड इवेंट्स में शनाया के साथ देखा गया है।

सोशल मीडिया की वजह से वजह से लग रहे कयास- हाल ही में शनाया की फिल्म तू या मैं का टीजर रिलीज हुआ। इस मौके पर करण ने इसे अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में लिखा, लिखा, जी हां... अब वक्त आ गया है। इस पोस्ट के बाद लोग अब यह जानने को बेताब हैं कि क्या ये दोनों सच में रिलेशनशिप में हैं? हालांकि, शनाया अपनी निजी जिंदगी को लेकर ज्यादा कुछ नहीं बोलतीं, लेकिन करण के इस समर्थन ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

बॉलीवुड डेब्यू से पहले चर्चा में आई निजी जिंदगी- शनाया जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। उनकी फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। लेकिन उससे भी ज्यादा लोग उनके और करण के रिश्ते के बारे में जानने को लेकर उत्सुक हैं।

सनम तेरी कसम के बाद अब इस फिल्म पर जुटे हर्षवर्धन

फिल्म 'सनम तेरी कसम' की री-रिलीज के बाद हर्षवर्धन राणे की नई फिल्म 'दीवानियत' की घोषणा भी की गई थी। यह भी एक लव स्टोरी पर आधारित फिल्म है। अब तक इस फिल्म की हीरोइन का पता नहीं था। लेकिन हाल ही में मेकर्स ने बताया है कि फिल्म की हीरोइन कौन होगी? हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'दीवानियत' में पंजाबी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सोनम बाजवा को लिया गया है। फिल्म को मिलाप जवेरी निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म प्यार की एक अलग और अनोखी कहानी को दिखाएगी। फिल्म के प्रोड्यूस अमूल मोहन हैं। फिल्म 'दीवानियत' की शूटिंग इस साल यानी 2025 में शुरू होगी। साथ ही साल के आखिरी में जाकर यह फिल्म रिलीज भी हो सकती है। फिल्म को लेकर हर्षवर्धन राणे के फैंस काफी उत्साहित हैं, वह फिल्म 'सनम तेरी कसम' के बाद उन्हें एक और लव स्टोरी वाली फिल्म में देखना चाहते हैं।

'माई मेलबर्न' ऐसी फिल्म है, जिसे हर किसी को देखनी चाहिए

अभिनेता कार्तिक आर्यन एंथोलॉजी 'माई मेलबर्न' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है, जो हर किसी को देखनी चाहिए। स्क्रीनिंग में मलाइका अरोड़ा भी शामिल हुईं। कबीर खान, इम्तियाज अली, ओनिर और रीमा दास - चार फिल्म निर्माताओं के निर्देशन में बनी 'माई मेलबर्न' में चार कहानियां हैं, जो नस्ल, लिंग भेद और विकलांगता पर बनी है।

मुंबई के एक थिएटर में आयोजित स्क्रीनिंग में पहुंचे कार्तिक आर्यन ने कहा, यह भारत के सबसे पसंदीदा फिल्म निर्माताओं की एक शानदार फिल्म है। फिल्म में जोश के साथ संवेदनाएं और मानवता का पुट भी है। मैं खुश हूं कि मुझे यह फिल्म देखने का मौका मिला। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे हर किसी को देखनी चाहिए और खूब प्यार देना चाहिए। फिल्म निर्माता मीतू भौमिक लांगे की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, दर्शक 'माई मेलबर्न' को खूब पसंद करेंगे। मुझे 'माई मेलबर्न' की पूरी टीम से प्यार है और मीतू को बहुत-बहुत धन्यवाद जो इस फिल्म की रीढ़ हैं। मीतू ने कबीर सर, इम्तियाज सर, ओनिर सर और रीमा मैम जैसे फिल्म निर्माताओं के साथ इस फिल्म को शानदार बनाने के लिए अपना बेस्ट दिया है, फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों ने भी बेहतरीन काम किया है। स्क्रीनिंग में निर्माता मीतू भौमिक लांगे के साथ फिल्म के चारों निर्देशक, फिल्म के कलाकार और क्रू भी मौजूद थे।

कार्तिक आर्यन और मलाइका अरोड़ा के अलावा, इस कार्यक्रम में फिल्म जगत के कुछ सितारे भी शामिल हुए, जिनमें शूजित सरकार, रसिका दुग्गल, अहाना कुमरा, अमित साध, निमृत कौर अहलूवालिया, करण टैकर, अंशुमान झा, आरुषि शर्मा, विजय कृष्ण आचार्य, ऋत्विक धनजानी और मेधा शंकर के नाम भी शामिल हैं। 'माई मेलबर्न' भारत में 14 मार्च को रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो कार्तिक अभिनेत्री श्रीलीला के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म की तैयारी में हैं।

प्रशांत वर्मा की फिल्म में पहली बार नेगेटिव रोल निभाएंगे प्रभास, करेंगे बकासुर का रोल

पैन-इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर काफी व्यस्त चल रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही हैं कि हनुमान फिल्म के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की पौराणिक ड्रामा फिल्म में बाहुबली प्रभास बकासुर के किरदार में दिखेंगे। हालांकि, अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बनने जा रही प्रभास की फिल्म की कहानी बकासुर के इर्द-गिर्द घूमती है, इसलिए फिल्म का शीर्षक 'बाका' हो सकता है। ऐसी चर्चा है कि इस फिल्म में प्रभास नेगेटिव रोल करने वाले है। बताया जा रहा है कि इस तरह का किरदार प्रभास ने कभी नहीं निभाया है। इस फिल्म का निर्माण होम्बले फिल्म्स के बैनर तहत किया जा रहा है। जो पहले केजीएफ फ्रैंचाइजी और सालार जैसी फिल्में प्रोड्यूस कर चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बनने जा रही फिल्म के लिए प्रभास लुक टेस्ट भी दे चुके हैं, लेकिन फिल्म की शूटिंग कब से शुरू होगी। इस बारे में प्रोडक्शन हाउस की तरफ से कोई आधिकारिक रूप से बयान नहीं आया है। प्रभास इन दिनों अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसके अलावा एक्टर के पास कन्नप्पा, फौजी, स्पिरिट, सालार 2 और कल्कि 2 जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। प्रभास इस समय डायरेक्टर हनु राघवपुडी की फिल्म 'फौजी' की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रभास को चोट भी लग गई थी। इस वजह से एक्टर की हॉरर-कॉमेडी रोमांटिक फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग भी प्रभावित हो रही है। इस फिल्म के अभी तीन गाने शूट नहीं हुए हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म पहले से तय रिलीज डेट से आगे खिसक सकती है। वहीं, बात करें प्रभास को लेकर बकासुर की कहानी पर फिल्म बनाने जा रहे डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की, तो वे हनुमान जैसी फिल्म बनाकर चर्चा में आए हैं।

दीया मिर्जा ने मॉडलिंग के दिनों को किया याद

एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने साल 2000 के मिस इंडिया ब्यूटी कांटेस्ट को याद करते हुए बताया कि वह और लारा दत्ता अपने मॉडलिंग के दिनों में एक अपार्टमेंट में ही रहती थीं, जो एक माचिस के डिब्बे के जैसा था, और उनके बैंक खातों में बिल्कुल भी पैसे नहीं थे। हालांकि, दीया ने साझा किया कि प्रियंका चोपड़ा को उनके माता-पिता से पूरा सहयोग मिला। दीया मिर्जा साल 2000 के मिस इंडिया कांटेस्ट में लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा के साथ फाइनलिस्ट थीं।

लारा ने की दिल खोलकर मदद

जूम के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने साझा किया, मुझे और लारा को परिवार की ओर से कोई आर्थिक समर्थन नहीं मिला था। लारा मॉडलिंग कर रही थीं, इसलिए पहले से ही यहां रह रही थीं। लारा ने मेरे लिए दिल खोलकर मदद की और मुझे अपने अपार्टमेंट में भी साथ में रखा। मुझे याद है कि मैंने मिस यूनिवर्स के लिए उसके सामान को पैक करने में मदद की थी और फिर वह चली गई।

प्रियंका शुरू से ही काफी अच्छा कर रही थीं

मिस इंडिया एशिया पेसिफिक रहीं दीया मिर्जा ने आगे प्रियंका चोपड़ा की तारीफ करते हुए कहा, प्रियंका शुरू से ही काफी अच्छा कर रही थीं। उन्हें कई और लड़ाइयां भी लड़नी थीं और उनसे पार पाना था, लेकिन वह वाकई में काफी अच्छा कर रही थीं। उनके लिए मेरे मन में वाकई काफी सम्मान था। मैं कई बार सोचती थी कि अगर मैं उनकी आधी भी अभिनेत्री होती, तो मैं कितना आगे जा पाती। ग्लैमरस फोटोशूट से वापस आकर पैसों की कमी के चलते नूडल्स खाने के अपने दिनों को याद करते हुए दीया ने कहा, मैं और लारा नूडल्स शेयर किया करते थे, क्योंकि हमारे पास पैसे नहीं होते थे। मैं और लारा मॉडलिंग करके पैसे बचाते थे। हमने घर से मिले पैसों का इस्तेमाल किसी काम के लिए नहीं किया। जो हमने कमाया और बचाया, हमारे पास बस यही था। ऐसे दिन भी आते थे जब बचत खत्म हो जाती थी और किराए या बाकी बिल्स का समय होता था। हम महंगे गाउन पहनकर बड़े-बड़े इवेंट में बैठते थे और घर आकर नूडल्स खाकर सो जाते थे, क्योंकि कुछ और खाने के पैसे नहीं होते थे।

दीया ने 2001 में सुपरहिट फिल्म से किया बॉलीवुड में डेब्यू

हालांकि, वक्त के साथ चीजें बदल चुकी हैं। अब दीया मिर्जा किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। साल 2001 में 'रहना है तेरे दिल में' से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद दीया मिर्जा 'तुमको न भूल पाएंगे', लगे रहो मुन्ना भाई, 'तुमसा नहीं देखा', 'संजू', 'धक-धक', 'थप्पड़' और 'अलग' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। दीया हाल ही में इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने इब्राहिम की मां की भूमिका निभाई थी।

जिला स्तरीय ओलंपियाड सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

हर उम्र में मेहनत से सफलता का द्वार खुलता है:- कलेक्टर

सिंगरौली जिला शिक्षा केंद्र द्वारा जिला स्तरीय ओलंपियाड सम्मान समारोह का भव्य आयोजन जिला कलेक्टरेट परिसर में किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री चंद्र शेखर शुक्ल ने ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 32 मेधावी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और मार्गदर्शक शिक्षकों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। ओलंपियाड प्रतियोगिता जिले में कक्षा 2 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिए तीन चरणो में आयोजित की गई थी। जिसमें तीन चरणों में छात्रों का चयन किया गया था। प्रथम चरण में विद्यार्थियों ने अपने-अपने जन शिक्षा केंद्र स्तर पर परीक्षा दी,जिसमें सफल होने वाले विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय ओलंपियाड में भाग लिया। जिला स्तर पर अपने-अपने विषय और कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 32 छात्रों को आज इस सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया गया।

सम्मान सामारोह में कलेक्टर श्री शुक्ला ने विद्यार्थियों को उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की और कहा कि यह सफलता इन सभी के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में पुरस्कृत 32 विद्यार्थियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र, प्राइज शील्ड, ट्रैक सूट, स्कूल बैग, वाटर बॉटल, लंच बॉक्स, और ज्यामिति बॉक्स प्रदान किया गया।

कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि ये विद्यार्थी जिले के लिए गर्व का विषय हैं और उन्होंने मेहनत व समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सपनों को साकार करने के लिए हम अपनी आदतें बनाते हैं और फिर वही आदतें हमारा भविष्य बनाती हैं। सपने साकार करने के लिए अच्छे आदर्श आचार एवं विचारों का अनुसरण करें। जीवन में विफलता से कभी घबराना नहीं चाहिए और बार-बार सच्चे मन से किया गया प्रयास सफलता अवश्य दिलाता है।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री शुक्ला ने उन 7 विद्यार्थियों को भी विशेष शुभकामनाएं दीं, जिन्होंने स्टेट लेवल वर्ड पावर चैंपियनशिप के लिए चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया है। ये प्रतियोगिता आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को भोपाल में आयोजित होगी, जिसमें सिंगरौली जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले ये 7 छात्र हैं प्रज्ञा सिंह, प्रिया द्विवेदी, प्रभा कुमारी, शुभम साहू, रागिनी साह, खुशबू साकेत, और भीष्म प्रताप जिले का मान बड़ायेंगे इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री पी सेन गुप्ता, एसडीएम श्री सृजन वर्मा जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी. सिंह, जिला परियोजना समन्वयक राम लखन शुक्ल, एपीसी राजेश पटेल, एपीसी संजय श्रीवास्तव, तथा निपुण प्रोफेशनल आदित्य राज गुप्ता उपस्थित रहे। इन सभी अधिकारियों ने अपने संबोधन में छात्रों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और भविष्य में और अधिक सफलता के लिए प्रेरित किया।

गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन 31 मार्च तक

कलेक्टर ने कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा की

शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बकाया धान उपार्जन की राशि जिन किसानों को अभी तक भुगतान नहीं किया गया उन किसानों का भुगतान कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन भी कराएं। बैठक में बताया गया कि मसूर, चना, सरसों के उपार्जन के लिए पंजीयन 25 मार्च से 31 मई 2025 एवं गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन 31 मार्च 2025 तक निर्धारित किया गया, साथ ही गेंहू के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग अनिवार्य है। बैठक में उप संचालक कृषि श्री आरपी झारिया, जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

रंग बरसे उत्सव का होगा आयोजन 21 को

ब्यावरा। होली के उपलक्ष्य में माधव स्मृति न्यास ब्यावरा द्वारा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग बरसे उत्सव नाम से 21 मार्च शुक्रवार को अंजनीलाल मंदिर परिसर में किया जा रहा हैं। शाम 7:30 बजे से शुरू होकर देर रात तक चलने वाले इस आयोजन में स्थानीय और लोक कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार रात सरस्वती शिशु मंदिर में माधव स्मृति न्यास की बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम को भव्य बनाने और व्यवस्थाओं के विकेंद्रीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। न्यास ने नगर और जिले के सभी लोगों से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि माधव स्मृति न्यास नगर में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को लेकर सदैव अग्रणी भूमिका निभाता है। समय समय पर सामाजिक गतिविधियों के साथ सांस्कृतिक आयोजन भी न्यास के द्वारा किए जाते है।

कर्मचारी कॉलोनी वासियों ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, समस्या समाधान कर रखी मांग

ब्यावरा। नगर की पाश कॉलोनी कर्मचारी कॉलोनी निवासियों ने पानी, नाली साफ सफाई, रोड निर्माण कराने सहित कॉलोनी का परिसीमन कर नगरपालिका क्षेत्र में जोड़ने की मांग का एक ज्ञापन मंगलवार को एसडीएम गीताजंली शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी इकरार अहमद को सौपा। सीएमओ ने कालोनीवासियों को सभी समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया। ज्ञातव्य है कि कर्मचारी कॉलोनी क्षेत्र ग्राम पंचायत खुरी की सीमा में आता है, लेकिन यहां कई सुविधाएं नगर पालिका द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। कॉलोनी वासियों का नाम पंचायत की वोटर लिस्ट में अंकित है। इस कारण यहां कई असुविधाएं है। कॉलोनी वासियों ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से भी कॉलोनी वासियों की समस्याओं का समाधान करने की अपील की है।

दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेला एवं कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन 22 एवं 23 मार्च को

उमरिया। उमरिया 18 मार्च। परियोजना संचालक आत्मा संग्राम सिह मरावी ने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा एवं राष्टीय कृषि विकास योजना कोदो कुटकी उत्पादन वृद्धि एवं मूल संवर्धन योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेला एवं कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन 22 मार्च एवं 23 मार्च को कृषि उपज मण्डी प्रांगण में आयोजित किया गया है। जिले के समस्त अन्नदाता कृषक बंधुओं से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर खेती किसानी को लाभ का धंधा बनावें। कृषि विज्ञान मेला में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, मछली पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी से संबंधित शासन द्वारा चलाई जा रही समस्त विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनियों का अवलोकन कर तकनीकी जानकारी प्राप्त करें ।

समस्त एसडीओपी ,थाना एवं चौकी प्रभारीयो की मीटिंग आयोजित

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने कि अपराधों की समीक्षा

अनूपपुर आज दिनांक 18 मार्च 2025 को सोन सभागार, कलेक्ट्रेट कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की मीटिंग आयोजित कर अपराधों की समीक्षा की

बैठक में की गई महत्वपूर्ण समीक्षा

1. लंबित प्रकरणों की समीक्षा

लंबित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों, पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों, लंबित मर्ग और चालानों की थाना-वार समीक्षा।

2. आगामी त्योहारों की सुरक्षा व्यवस्था

रंगपंचमी (19 मार्च 2025), चैत्र नवरात्रि (30 मार्च 2025) और ईद-उल-फितर (31 मार्च 2025) के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश।

3. साइबर अपराधों के लिए विशेष निर्देश

मोबाइल गुमने की शिकायतों को ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश।

साइबर फ्रॉड संबंधी शिकायतों को ह्रष्टक्रक्क पोर्टल में दर्ज करने का आदेश।

4. अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था

धारा 173(8) के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश।

NDPS एक्ट, पशु तस्करी, धारा 34(2) के अंतर्गत जब्त वाहनों को राजसात करने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश।

जब्तशुदा मादक पदार्थों के ड्रग विनष्टीकरण की कार्यवाही करने के निर्देश।

चिन्हित अपराधों, महिला संबंधी अपराधों को संवेदनशीलता से लेने के निर्देश। SC/ST एक्ट के राहत प्रकरणों एवं लंबित वारंटों की तामील में तेजी लाने के निर्देश।

सीएम हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के आदेश।

5. जनता को जागरूक करने की पहल

गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश।

थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र में भ्रमण बढ़ाने के निर्देश।

डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन फ्रॉड के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश। उक्त अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान, अति.पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मन्सूरी, एसडीओपी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा, एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ श्री नवीन तिवारी, डीएसपी(अ) एन.एस.ठाकुर, रक्षित निरीक्षक अनूपपुर श्रीमती ज्योति दुबे, थाना प्रभारी कोतवाली निरी. अरिवन्द जैन, थाना प्रभारी चचाई निरी.राकेष उईके, थाना प्रभारी जैतहरी उनि.विपुल शुक्ला, थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरी.संजय खलखो, थाना प्रभारी कोतमा निरी.सुन्द्रेष मरावी, प्रभारी थाना बिजुरी निरी. विकास सिंह, थाना प्रभारी रामनगर उनि. सुमित कौषिक, थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी. बीरेन्द्र बरकडे, थाना प्रभारी अमरकंटक निरी. लालबहादुर तिवारी, थाना प्रभारी करनपठार निरी. पी.सी.कोल, चौकी प्रभारी फुनगा उनि.सोने सिंह परस्ते, चौकी प्रभारी देवहरा उनि.रंगनाथ मिश्रा, चौकी प्रभारी वेंकटनगर उनि.अमरलाल यादव, चौकी प्रभारी सरई उनि. मंगला दुबे एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के स्टॉफ उपस्थित रहें।

एसडीएम पाली ने किया प्राथमिक पाठशाला मलहदू का निरीक्षण

उमरिया ।उमरिया 18 मार्च ।अनुविभागीय अधिकारी पाली अंबिकेश प्रताप सिंह को प्राथमिक पाठशाला मलहदू में मध्यान्ह भोजन नही मिलने की शिकायत प्राप्त होने पर पाठशाला का औचक निरीक्षण किया एवं स्व सहायता समूह को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए समय सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ।आपने कहा कि जवाब संतुष्टिपूर्वक नही मिलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी ।निरीक्षण के समय उन्होने बच्चों से पठन पाठन, मध्यान्ह भोजन आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

ई आफिस प्रशिक्षण ई दक्ष केंद्र जिला पंचायत में प्रारम्भ

उमरिया। उमरिया 18 मार्च । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि तृतीय चरण में 31 मार्च तक प्रदेश के समस्त जिलो, संभागों में पूर्णतः ई आफिस कार्य प्रणाली लागू की जानी है, जिसके परिपालन में उमरिया जिले में भी निर्धारित तिथि में ई आफिस परियोजना का सुचारू रूप से क्रियान्वमयन किया जाना है। इस हेतु जिला सूचना विज्ञान अधिकारी एन आईसी उमरिया को परियोजना का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है साथ ही ई आफिस का प्रशिक्षण प्रदाय किए जाने हेतु मास्टर ट्रेनर्स की टीम गठित की गई है जिनके व्दारा कार्यालय प्रमुखों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रथम दिन ई ऑफिस प्रणाली के प्रशिक्षण में 12 विभागों के 33 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने ई-ऑफिस का व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया । यह प्रषिक्षण 19 मार्च तक चलेगा।

जतारा वन विभाग ब्रेकिंग

जतारा वन विभाग ने अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में जप्त किया मय ट्रॉली रेत भरा ट्रैक्टर

नवागत डीएफओ राजाराम परमार के सख्त प्रशासन एवं मार्गदर्शन में जतारा वन विभाग लगातार कर रहा जप्ती की कार्यवाही

जतारा। विदित हो कि वन विभाग अंतर्गत खासतौर पर जतारा में वन अमला वन परिक्षेत्र अधिकारी जतारा शिशुपाल अहिरवार के कुशल नेतृत्व में हर एक दो दिन में कोई न कोई कार्यवाही वन परिक्षेत्र जतारा का वन अमला मजबूरी या कड़क प्रशासन के कारण करता ही रहता है, चाहे वो अतिक्रमण बेदखली की कार्यवाही हो या फिर निरीह वन्य प्राणियों के शिकार की या फिर अवैध आरा मशीनों की या फिर अवैध वनोपज की कटाई या परिवहन की कार्यवाही हो।

हर समय वन परिक्षेत्र जतारा में ऐसी कार्यवाही देखने और सुनने को मिलती रहती है। लेकिन जब से टीकमगढ़ के नवागत डीएफओ राजाराम परमार ने टीकमगढ़ की कमान संभाली है तब से पूरे वन मंडल टीकमगढ़ का वन अमला सकते में है, और टीकमगढ़ वन मंडल के कई कर्मचारी जो अपने घरों में सोते रहते थे आज वो रात भर जागकर वन भ्रमण कर रहे हैं। जिसके तहत विगत सोमवार की रात में टीकमगढ़ वन परिक्षेत्र में एक ट्रक लकड़ी भरा हुआ ट्रक डीएफओ राजाराम परमार और एसडीओ मनीषा बघाड़े की तत्परता से जप्त किया गया।

इसी के तारतम्य में वन परिक्षेत्र अधिकारी जतारा शिशुपाल अहिरवार के द्वारा भी वन संरक्षक छतरपुर और वन मंडल अधिकारी टीकमगढ़ के दिशा निर्देशन और मार्गदर्शन में दिनांक 19/03/2025 की सुबह को विशेष गस्ती दल के गठन उपरांत अवैध वनोपज की धड़-पकड़ के तहत वन परिक्षेत्र जतारा की बीट चंदेरा के कक्ष क्रमांक पी-239 के वन क्षेत्र में एक वाहन ट्रेक्टर क्रमांक यू.पी. 93 सी.बी. 1558 मय ट्रॉली में लोड रेत के साथ वन क्षेत्र से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में जप्त किया गया। और मौके से वाहन चालक रामदास सौर निवासी बारी एवं वाहन मालिक जितेंद्र नायक निवासी लिधौरा के विरुद्ध नामजद वन अपराध प्रकरण क्रमांक 245/23 दिनांक 19/03/2025 दर्ज करते हुए जप्त वाहन को सुरक्षित वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर जतारा में सुरक्षित खड़ा कराया गया।

उक्त कार्यवाही वन परिक्षेत्र अधिकारी जतारा शिशुपाल अहिरवार के कुशल नेतृत्व में की गई जिसमे वन परिक्षेत्र जतारा के वन अमले के रूप में रियाजउद्दीन काजी वनपाल, शुभम पटेल, विवेक वंशकार, प्रमोद अहिरवार, प्रेम नारायण अहिरवार, शिवशंकर अहिरवार समस्त वनरक्षक एवं वाहन चालक शहीद खान मौजूद रहे।।

थाना-भालूमाड़ा पुलिस ने अवैध रेत (खनिज) के विरुद्ध की गई कार्यवाही

अनूपपुर । श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर श्री मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, श्रीमान् अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना मिलने पर दिनांक 18/03/2025 को सुबह 6.30 बजे ग्राम धनगवाँ में घेराबंदी कर एक नीले रंग का ट्रेक्टर मय ट्रली के इंडो फार्म कम्पनी जिसका नम्बर स्क्क65. 0273 मय ट्राली के आते दिखा जिसे रोक कर चेक किया गया जो ट्रेक्टर ट्राली में जिसमें 3 घन मीटर रेत अवैध खनिज बिना रायल्टी/टीपी के लोड कर परिवहन करते पाया गया ट्रेक्टर चालक प्रदीप कोल पिता कमलेश कोल उम्र 21 वर्ष निवासी धनगवां चौकी फुनगा थाना भालूमाड़ा जिला अनूपपुर से उक्त लोड रेत के संबंध में पूछने पर ट्रेक्टर मालिक पंकज पटेल पिता स्व. अनिल प्रसाद पटेल निवासी धनगवां चौकी फुनगा थाना भालूमाड़ा के कहने पर कठना नदी से रेत चोरी कर घनगवां में बिक्री करने हेतु ले जाना बताया जो ट्रेक्टर मय ट्राली व चोरी का रेता करीबन 3 घनमीटर कीमती 5000/- रूपये व ट्रेक्टर मय ट्राली कीमत 600000/- कुल कीमती 605000 रुपये को आरोपी चालक के कब्जे से जप्त कर चौकी फुनगा में सुरक्षार्थ खडा कराया गया व अपराध क्रमांक 118/2025 धारा 303(2), 317(5) बीएनएस एवं 4/21 खान खनिज अधि. एवं धारा 130/177(3), 3/181, 5/180 एमव्ही एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया है । दिनांक 18/03/2025 को रात्रि करीबन 11.30 बजे मुखबिर की सूचना पर सरईहा देवरी के बीच ग्राम देवरी में घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया जो एक नीले रंग का बिना नम्बर के स्वराज कम्पनी का ट्रेक्टर मय ट्रली के आते दिखा जिसे रोड कर ट्रेक्टर ट्राली चेक किया गया तो ट्राली में 03 घन मीटर रेत लोड मिला ट्रेक्टर ड्राईवर शुभम शुक्ला पिता राधेश्याम शुक्ला उम्र 23 वर्ष निवासी देवगवां थाना भालूमाड़ा जिला अनूपपुर से ट्रेक्टर एवं ट्राली में लोड रेत के संबंध में पूछने पर चालक द्वारा ट्रेक्टर मालिक ओमकार मिश्रा निवासी साखी थाना जैतपुर जिला शहडोल के कहने पर गोडारु नदी से बिना टीपी के रेत चोरी कर देवरी में बिक्री करने हेतु ले जाना पाये जाने से आरोपी चालक के कब्जे ट्रेक्टर मय ट्राली व चोरी का रेता लोड करीबन 3 घनमीटर कीमती 5000/- रूपये व ट्रेक्टर मय ट्राली कीमत 700000/- कुल कीमती 705000/- का जप्त कर चौकी फुनगा परिसर में खडा किया गया है जिस पर आरोपीगणों के विरूद्ध अपराध क्र. 119/2025 धारा 303(2), 317(5) बीएनएस एवं 4/21 खान खनिज अधि, एवं धारा 130/177(3), 3/181, एमव्ही एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया है । दिनांक 19/03/2025 को मुखबिर की सूचना पर गोडारु नदी देवरी घाट पर रेड कार्यवाही कर एक नीले रंग के बिना नम्बर प्लेट के सोनालिका कम्पनी का ट्रेक्टर जिसमें 3 घन मीटर चोरी का रेत(खनिज) लोड मिला जिसे रोक कर ट्रेक्टर चालक ओम प्रकाश सिंह पिता अमोल सिंह गोंड उम्र 18 वर्ष निवासी मनटोलिया देवगवाँ के कब्जे से उक्त ट्रेक्टर मय लोड (खनिज) 3 घन मीटर रेत कुल कीमती 705000 रुपये का जप्त किया जाकर खनिज विभाग अनूपपुर को कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया है ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जिंसी जहांगीराचाद, भोपाल, मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। **संपादक**-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनुपपुर होगा। मो. 9893798715